

॥ श्रीगुरु दत्त प्रसन्न ॥

संगीत बालवाच्य

(प्रथम भाग.)

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पल्लुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इण्डियन म्युजिक, प्रिन्सिपाल,

गाथर्व महा विद्यालय—ववई द्वारा रचित

सन १९२१.

इस पुस्तक छापनका सब अधिकार पुस्तक कानि
आपने म्याद रखा है

पंचमाष्टुति प्रती १००० मुद्रय १॥ रचना

"गाथर्व महा विद्यालय" प्रेम, सैन्ट्रल रोड—ववई

॥ श्रीगुरुप्रस्थ ॥

प्रस्तावना.



गीत प्रेमी महागवयण आरबो सिद्ध है कि हमारे यहाँ
पहिले भी गायन और वादन लिखने के लिये पुस्तक बनाई
थी कि जिसका नाम संगीत चालचोप या उगरी। पंचम
आवृत्ति और गजनों के गेरा में प्रचलित करने है कि इस
पुस्तक को समग्र पढ़के गायन विद्या में महत्तीमें गाने पर
बैठे उठा सकें

इसमें शामसे प्रातः काल तक गाने के प्रचलित राग १२५ है इस
पुस्तक की प्रथमावृत्तिमें अरुण रीति के चो नियम थे वह सब संगीत
तत्त्वदर्शकमें दिये हैं और जो गायन चाने थी उनको भी सम करके
अच्छा २ गाने की चाने लिखा गई है और उनको दिगुण और तिस्र
जाति लयकारी (जिसको आम लोग भ्रष्ट कहते हैं) में भी १२५ दिया है

ये विद्या हमारे गौरव महा विद्यालय गमान प्रोत्तिवा प्रागकी
प्रथम पुस्तक है

अब मैं अपने तापंजन गुरुवर्य गायनाचार्य श्रीमान गान्धर्व
चोपारा के प्रति के प्रति धन्यवाद करता हूँ कि जिसके द्वारा मैंने इस
विद्या का ज्ञान हुआ

॥ शुभम् ॥

ता १ मंत्रि
सन् १९२१

१०.४

विष्णु दिगंबर गुरुन्तर.

अनुक्रमनिका.

—०००००—

नं.	राग	पद	ताल	पृष्ठ
१	कल्याण	तेरोहि	चारताल	१-१४
२	जेमिनोरुल्याण	अव गुनन	तीनताल	१४-१८
३	भूपाली ओडव	आपनो नीजपद	तेवरा	१८-२२
४	"	स रि ग म	तीनताल	२२-२८
५	"	सेसाचल	सुरफाकाताल	२९-३२
६	हमीर	चौचल	चारताल	३२-३६
७	"	श्रीराम	तेवरा	३७-४१
८	विहाग	देयोसयी	तीनताल	४२-४४
९	"	सयी आज	झपताल	४४-४७
१०	"	जयरामरूप	धमार	४८-५१
११	पमाज संकीर्ण	प्रीतरीत	तीनताल	५२-५७
१२	छाया, खमाज	राजत रघुवीर	चारताल	५७-६१
१३	खमाज	अरुनदल	झपताल	६१-६३
१४	देस	कुयजाही	तीनताल	६४-६६
१५	जयजय, संपूर्ण	तेरोरुझनही	झपताल	६७-६९
१६	" "	मधेरात आई	चारताल	७०-७३
१७	जयजयवंती	शामशामसो	धमार	७४-७८
१८	केदार	सरससीस मौर	चारताल	७८-८२
१९	"	होरीरे मोहन	धमार	८२-८४
२०	पूरिया	चली नार	"	८४- ७
२१	पूरिया	रामवदन मती	तीनताल	८८-२१
२२	"	तराणा		

हमारे यहां के लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम) को समझने के
लिये संगीत तत्वदर्शकों पढ़ना चाहिये

तार		
मध्य	रि स रि स	स रि रि . ५ ग रि
मन्द्र		ध नि नि नि
	स धा ल मी	क ना र द सु नि स न का
	२ २	१ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	रि स सु . ५	स
मन्द्र		नि धु . ५ धु प . ५ नि धु . ५
	. दि क	से . . स .
	२	१ ३

तार		
मध्य	स सु . ५ रि ग रि रि सु . ५	रि ग प
मन्द्र	नि	नि
	. सु रे . स स न त	र ट त र
	२ ३ २ २	१ ३

तार	स रि रि गु . ५ ग रि सु .
मध्य	नि नि ध पु . ५
मन्द्र	।

ध रा मे . र प घ न . आ झ
१ ३ २ ३ २ ७

तार	स सु .
मध्य	प ध नि ध पु . ५ ध प म ग ग रि
मन्द्र	

प द्वा . पा . . छी ज ल थ ल स य
१ ३ २ ३ २ २

तार	रि सु
मध्य	म धु मु ध नि ध पु . ५ ध नि ध पु . ५
मन्द्र	

घ न . दा . मि नी आ
१ ३ २ ३ २ ३

तार	रि
मध्य	प ध ध नि नि . ५ म धु मु मृ ग रि
मन्द्र	

आ . . . जो र ना . . . री
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	रि ५	ग प प पु . ५ प ध प पु . ५
मन्द्र	नि	

न र दी न र धु दी न ना . थ
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	म ध नि ध्र पु . ५ प प ध्र मृ प मृ गु . ५
मन्द्र	

दी न द या . ल ज ग जी . . य न
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	रि ग प ग रि सु . ५ रि ग रि
मन्द्र	नि नि

ज ग . घ्रा . थ
१ ३ २

क र . ता .
३ २ २

तार		
मध्य	सु . ५	सु . ग प ग . ५ प . धु म . १
मन्द्र		

र भ . र . न
१ ३ २

भू . य .
३ २ २

तार		सु सु . ५ सु . रि सु . ५
मध्य	गु . ५	ग म ध
मन्द्र		

न वी सा . भ र
१ ३ २

सा . चि त
३ २ २

तार	स स स स रि . ५ स	
मध्य	ध	नि ध प ध पु . ५
मन्द्र		

सो . प त य न ते . . रो . हि
१ ३ २ ३ २ २

तार	रि सु स . १	रि
मध्य	ग ग म ध ध प . १	नि
मन्द्र		

स व सू य स मू . ड की जे गू ला
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	ग रि नि सु .	
मध्य	नि	ध नि . ५ म धु पु .
मन्द्र		

. व को . . ध न ये . .
३ २ ३ २

तार		रि	
मध्य	स गु . ५	स ध नि	नि . १ स धु
मन्द्र			

रा म क .
 २ १ ३ २ ३

तार	
मध्य	सु . I गु रि रि . ५
मन्द्र	नि

र . . ता र है
 २ २



द्विगुण करने की रीति.



तार	
मध्य	पु सु गु . रि पु गु . ५ पु पु पु पु गु .
मन्द्र	

ते . . रो . द्वि ध्या न ध र .
१ ३ २

तार	
मध्य	पु . ५ मु धु मु ५ गु रि रि . ५ गु
मन्द्र	नि

त व्रं . . ह्या . शि च व्या
३ २

तार		
मध्य	रि गु . ५ रि सु रि सु	सु रि
मन्द्र		धु नि

... स वाल भी क ना र द
६ ६

तार		
मध्य	रि . ५ गु रि रि सु सु . ५ सु	
मन्द्र	नि नि	

मु नि स न का . धी क स
३ २ ३

तार		
मध्य		सु सु . ५ रि
मन्द्र	नि धु . ५ धु पु . ५ नि धु . ५	

... . स . सु रे
२

तार		यहासे यहातक विलंबित फिर
मध्य	गु रि रि सु.५	रिगपगपु.५ रि
मन्द्र	नि	नि नि
	स सु नी त २	र ट त ग ह त १ ३ २ ३

तार	द्विगुण	चारगुण
मध्य	गु पु गु पु.५	रि गु पु गु पु नि धु सु पु.
मन्द्र	नि	
	त र ह त २	र ट त र ह न नि स . . २

तार		
मध्य	गु रि रि	प मृ ग . रि प ग . ५
मन्द्र	नि	
	वा . स र	ते . . . रो . दि १ ३ २

तार		
मध्य	रि गु . ५ रि सु रि सु	सु रि
मन्द्र		धु नि

स धा ल मी क ना र द
५ ५

तार		
मध्य	रि . ५ गु रि रि सु सु . ५ सु	
मन्द्र	नि नि	

मु नि स न का दी क से
३ २ ३

तार		
मध्य		सु सु . ५ रि
मन्द्र	नि धु . ५ धु पु . ५ नि धु . ५	

... स २ सु २

तार	.	यहामे यहातक विलवित फिर
मध्य	गु रि रि सु.५	रिगपगपु.५ रि
मन्द्र	नि	नि नि
	स सु नो त २	र ट त र ह त १ ३ २ र ६ ३

तार	द्विगुण	चारगुण
मध्य	गु पु गु पु.५	रि गु पु गु पु नि धु मु पु.
मन्द्र	नि	
	त र त २	र ट त र ह त नि स . . २

तार		
मध्य	गु रि रि	प म ग . रि प गु . ५
मन्द्र	नि	
	पा . म र	ते . . रो . दि १ ३ २

तार		स स
-----	--	-----

मध्य	प प प पु गु . पु . ५	प ध प
------	----------------------	-------

मन्द्र		
--------	--	--

ध्या न ध र . त चौ . द स र
३ २ २ १ ३ २

तार	सु . ५ स स स स रि सु सु . ५	
-----	-----------------------------	--

मध्य		प ध
------	--	-----

मन्द्र		
--------	--	--

ज औ र त रा . ग न चौ .
३ २ २ १

तार	सु सु सु . ५ सु सु सु सु रि सु सु	
-----	-----------------------------------	--

मध्य	प	
------	---	--

मन्द्र		
--------	--	--

द स र ज ओ र त रा . घ न
३ २

तार	सु . ५ रि	रि गु . ५ गु रि सु .
मध्य	नि	नि
मन्द्र		

ध ३ रा मे २ रु प व न २ .

तार	यहामे सु सु .	चिलंधित
मध्य	ध पु . ५ प ध	नि ध पु . ५
मन्द्र		

आ ध प नू ३ पां . २ छी

तार	फिर द्विगुण
मध्य	ध प म ग ग रि . ५ म धु . मु धु नि
मन्द्र	

ज ल ध ल ख य . ध न . दा .
३ २ २ १

तार	रि सु				
मध्य	धु पु . ५ धु	नि धु पु . ५ पु धु धु नि			
मन्द्र					
	मि नी	आ	.	.	.
	३	२			३ *

तार	रि				
मध्य	नि . ५ मु धु मु मु शु गु रि				रि ५
मन्द्र	नि				
	ओ र	ना	री	न	र
	२				

नवर २.

राग जैमिनी कल्याण.

इस म कवल दो मध्यम लगत है एक शुद्ध दुसरा तानतर शुद्ध
मध्यम के बास्त निशाना हागा (तीनताल)

तार	सु
मध्य	सु रि ग म पु धु नि नि धु पु म ग
मन्द्र	

तार	
मध्य	० म ग रि सु
मन्द्र	

धस्तार—अथ गुनन की जी ये गुनि मन का जाने गुन
की मार और गुनी गुनी जाने गुन की मार ॥

अंतरा—यही घर समझे नदि समझत पार घर कोन कहे
एक घर कहे दीनी कोन कहे यह पार पार ॥

तार		
मध्य	सु रि ग पु रि ग रि सु . ५	ग रि ग
मन्द्र	नि	

अ च गु न न की . जी ये गु नी स
३ . २ १

तार	
मध्य	ग पु . मु ग ७ मृ ग रि सु
मन्द्र	नि धृ प पु . ५

न का . जा . ने . गु न की सा र
२ ३ २

तार	
मध्य	गु . गु गु गु रि सु रि ग रि रि सु
मन्द्र	नि

ओ र गु नी . गु नी . . जा . ने
१ २ ३

तार		
मध्य	रिं गु रिं ५ गु मु प रिं गु रिं	सुं
मन्द्र	निं	निं
गु न की . १ . . सा . र अ य २ १ २		

तार		सुं
मध्य	रिं गु पु रिं गु रिं सुं ५ गु गु पु पु	
मन्द्र		
गु न न की . जी ये ष डी ऐ र . ३ २ १ २		

तार	सुं सुं सुं सुं रिं सुं सुं	सुं सुं
मध्य	धुं	धुं नि धुं
मन्द्र		
म शे न हि म य न न या . र ऐ र ३ २ १ २		

तार	
मध्य	धु नि धु पु पु . मु ग रि गु ५ रि सु रि
मन्द्र	नि

को . न क हे . ए क धे . र क हे दी
३ २ १

तार	
मध्य	स सु स रि ग गु ग रि
मन्द्र	धु नि धु नि

नी को . न क हे य ह वा र वा र
३ २ १ ३

नंबर ३.

राग भूपाली ओडव.

इस राग में मध्यम और निषाद वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर
ताल तेवरा, (मात्रा ७.)

तार	आरोह	<u>स</u>	अवरोह
मध्य	सं रिं गुं पुं धुं	धुं पुं गुं रिं स०	
मन्द्र			

तार	<u>स</u>	
मध्य	धुं धुं पं गुं गुं पुं . ५	सं रिं गुं स रि
मन्द्र		

आ प नो गी ज ष द
१ ३ २ २

दे त य ली
१ ३ २

तार			
मध्य	स . १	गं गं गं पुं पुं पुं . ५	धुं प रि
मन्द्र			

को .
२

दा . न मा ग त
१ ३ २ २

या ल हो
१ ३ २

तार		स स स रि . ५	ग
मध्य	स . १	ग प ध	
मन्द्र			

सो य टू क प ट ज य स
 २ १ ३ ५ ७ १

तार	ग रि स रि स . १	रि रि रि	स
मध्य		ध	ध
मन्द्र			

म ज क बी को मा रे सो म त दे
 ३ २ २ १ ३ २ २

तार		स	स
मध्य	पु . ५	ध प ग रि स लु . ५	ध
मन्द्र			

तो य ल ही र ख वा को मू व
 १ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	ध प ग ग पु .५	स रि ग स रि स सु .५
मन्द्र		

ती न प द को
२ २

मां . गे वा . म न
१ ३ २ २

तार	रि रि रि स सु .५	स
मध्य	ध ध	प धु पु .
मन्द्र		

ह स के नृ प यो ले
१ ३ २ २

यो . र .
१ ३

तार	रि स रि स सु .५	
मध्य	रि स सु .५	ध प
मन्द्र		

ले ध न
२ २

म यो श्री वी क म
१ ३ २ २

कि
१

नार		स स स
मध्य	प ध ग् प पु . ५	ग प ध
मन्द्र		

यो प द क्र म
३ २ २

ए क म ही प
१ ३ २ २

तार	रि . ५	ग ग रि स रि स सु . ५	
मध्य			ध ध
मन्द्र			

र वी जे को श ग र
१ ३ २

धे
२ ३

तार	रि स सु . ५	स
मध्य	ध प	प ध प ग रि सु . ५
मन्द्र		

जु के प्र म
२ २

ती जे को शि र प र
१ ३ २ २

નંબર ૪

ताल तीनताल

तार					
मध्य सु			सु १ १ सु १ रि ग		
मन्द्र	ध प ध धु. ५				
	३ २		१ २ ३		२

तार		सु
मध्य	धृ णु धृ णु गुरि ५	गु णु धृ धृ णु
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार	सु	
मध्य	धृ णु गुरि धृ णु गुरि सु रि. ५	गु गु
मन्द्र		
	३ २	१

तार	
मध्य	पु गुरि गुरि गुरि सु रि सु सु
मन्द्र	धृ
	२ ३ २

तार	
मध्य	सु रि रि सु रि गु १ रि गु प धु पु गु गु
मन्द्र	

१

२

३

२

तार	सु सु रि रि गु रि रि सु
मध्य	पु पु धु धु धु
मन्द्र	

१

२

३

२

तार	रि रि सु	सु सु
मध्य		धु पु धु धु पु गु
मन्द्र		

१

२

तार		
मध्य	धृ णु गु रि गु रि सु रि . ५	पृ पृ धृ
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार		
मध्य	पृ गु गु ० पृ गु रि रि ०	गु रि सु सु ०
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार		सु
मध्य	रि सु रि गु रि गु णु गु	पृ धृ पृ धृ धृ
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार		
मध्य	रि रि स स स . १	स रि ग ग ग
मन्द्र	धु	

से सा ज ल या सा
१ ३ २ २ ३

तो हे व र स
१ ३ २

तार		सु १.५
मध्य	रि स रि ग . १	प प ग रि ग प ध
मन्द्र		

सी आ . मा
२ ३

दि न दि न क र त हे .
१ ३ २ २ ३

तार	
मध्य	ध प ध प ग रि ग . प रि सु . ५
मन्द्र	

वि ध ह र प . . अ ना भ
१ ३ २ २ ३

तार	स स स	स स रि
मध्य	प प ध ध्र प पु . ५	
मन्द्र		

न घ दि न न घ रा त म
१ ३ २ २ ३

न व वा
१ ३

तार	ग रि स रि स सु . ५	
मध्य		ध प ध प रि ग
मन्द्र		

ह न नि क से त
२ २ ३

र थ प र द स
१ ३ २

तार		स स
मध्य	प रि सु . ५	ग ग रि ग प ध
मन्द्र		

रे दी न
२ ३

जो य ही व्य क ट जी
१ ३ २ २ ३

तार	सु . १ सु रि ग रि सु रि सु सु . ५
मध्य	
मन्द्र	

को . गा . य त गा . य त
१ ३ २ ४ ३

तार	सु सु . ५
मध्य	गु ग रि ग प ध ध ध
मन्द्र	

सो न हि या . र या . र ज
१ ३ २ ३ १

तार	सु
मध्य	प ग रि ग प रि सु सु . ५ प ध
मन्द्र	

न न म र न पा य त य लु को
३ २ २ ३ १ ३ २

तार	स रिस .१	
मध्य		गु गु ग रि ग प रि सु .५
मन्द्र		

अ प नो
३ ३

अं त फो च र न दे त
१ ३ २ २ ३

नंबर ६.

राग हर्षार.

ताल चारताल.

इस राग में दो मध्यम लगते हैं एक शुद्ध और दूसरा तीव्रतर,
जब तीव्रतर म, लगाया जावेगा उस समय इसतरह आरोह
होगा म, प, ध, जब शुद्ध म का उपयोग किया
जावेगा उस वक्त आरोहमें प, वर्ज होगा
मध्यम तीव्रतरके लिये निशानी होगी

तार	सु
मध्य	सु रि गु म ध नि निधु म पु गु म रि सु
मन्द्र	

तार	स . स	
मध्य	धं . ५५	नि नि . ५ ध
मन्द्र		
	चा . च ल .	च . . प
	३ २ २	१ ३

तार		
मध्य	△ सु म . ५ प पु . ५ ध पु △ म प	
मन्द्र		
	ला . . . की	ग त . तै .
	२	३ २ २

तार		
मध्य	पु . ५	ग म रि ग म धु . ५ △ म प
मन्द्र		
	सो	क म ल य द नी
	१	३ २
		अ नु
		३

तार		
मध्य	गु म् . ५ रि स . १	रि सु रि . ५ स
मन्द्र		

२ . . . प म २ का . . . नि ३

तार	
मध्य	स रि सु रि . ५ स सु . ४ स रि
मन्द्र	नि

नी सुं . . . द र फ र न २

तार	
मध्य	स I रि स . १ स ध पु . ग . १
मन्द्र	ध . ५

. . फ १ ल रा ३ . ज त मा . ने ३ २ . २

तार		रि स सु	
मध्य	म	ध नि	नि ध नि . ५
मन्द्र			

मं . ग ल गा . . . यो
१ ३ २

तार	सु . सु		सु सु . ५
मध्य	ध ^० . ५	ग म ध नि	
मन्द्र			

यो . च ल सु ग म र त
३ २ २ १ ३ ०

तार	स स स स सु . ५		स सु . ५
मध्य		ध ^० ध ^० ध ^०	
मन्द्र			

छ यी सुं द र प र म म म
३ १ २ १ ३ -

तार	स रिस स	
मध्य	नि	ध ध पु . ५ Δ म प पु
मन्द्र		
नि स रा . म धा . म ह ग वि ३ २ १ ३ २ ३		

तार		
मध्य	ध ध पु . ५ Δ म प पु . ५	स स स ध
मन्द्र		
सा ल अ ध र प २ २ १ ३		

तार	सु	रि . ५
मध्य	ध प . ९ ध नि नि . ५	धूँ प ध नि
मन्द्र		
र यी . हु म वा र वा र डा . र २ ३ २ २ १ ३ २		

[३७]

नं० ७

राग हमीर.

ताल तैयरा (खड्गजाति तान ता ४)

तार							
मध्य	स . १	प	पु . ५	ग	गु	मु . ५	धं
मन्द्र							

श्री . रा म चंद्र क पा
२ १ ३ २ २ १

तार	रि स						
मध्य	धं	नि	ध	पु . ५	म	प	ध
मन्द्र							

लु भ ज म न ह र न
३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	△ स प प पु . ५	ग स स ध्रु △ स
मन्द्र		

भ व म य दा . र णी न
२ २ १ ३ २ २

तार			
मध्य	पु . ५	ध्रु प △ स प प पु . ५	ध्रु प
मन्द्र			

व कं ज लो . च न क ज
१ ३ २ ७ १ ३

तार		
मध्य	△ स △ स प पु . ५	ग स रि ग स ध्रु
मन्द्र		

मु य क र कं . ज प द कं
२ २ १ ३ २ ७

तार	।		
मध्य	△ मु पु . ११	ग म रि	स स . १
मन्द्र		नि	॥

जा र णो . श्री
१ ३ ७ ७

तार			
मध्य	पु पु . ५ ग ग मु . ५	धं धं ७ . पु	
मन्द्र			

रा म च द्र रु पा फ
१ ३ २ २ १ ३ २ २

तार	स स	स स सु . ५	स स
मध्य	नि		नि
मन्द्र			

दर प अ ग णि त अ मि त
१ ३ २ २ १ ३

तार	स स स सु . ५	स स सु . ५
मध्य		ध्रँ ध्र
मन्द्र		

छ बी न घ
२ २

नी ल नी र ज
१ ३ २ २

तार	स स	ग म रि
मध्य	ध्र प पु . ५	नि
मन्द्र		

खं द रं प ड
१ ३ २ २

पी . न मा
१ ३ २

तार	स स . ९	
मध्य		ध्रँ ध्रँ प ऋ म प प पु . ५
मन्द्र		

. नी
२

त टी त
१ ३

रु ची रु नी
२ ६

तार	.	.
मध्य	ग म रि ग म ध पृ.५	ग म रि सृ.९
मन्द्र		

नौ . मि ज न क सू ता . व रौ
१ ३ २ २ १ ३ २

यह अतरे उपरके भजनके अतरेके म्याफर गाना

शिर मुकुट कुंडल तिलक चारु उदार अंग विभूषणं
आजानुभुज शर चापधर संग्राम जित सर दूषणं ॥ १ ॥

भजो दीनयंधु दिनेश दानध दैत्य वंश निकंदनं
रघुनंद आनंदकंद कोशल चंद दशरथ नंदनं ॥ २ ॥

इति यदत तुलसीदास शंकर सेस मुनीमन रंजनं
मम हृदय कंज निवास कुर कामादि खल दल गंजनं ॥ ३ ॥



तार	स स स सु . ५	स स सु . ५
मध्य		धूँ ध
मन्द्र		

छ धी न व
२ २

नी ल नी र ज
१ ३ २ २

तार	स स	ग म रि
मध्य	धू प पु . ५	नि
मन्द्र		

छुं द रं प ड
१ ३ २ २

पी त मा
१ ३ २

तार	स स . ९	
मध्य		धूँ धूँ प ढ म प प पु . ५
मन्द्र		

. नौ
२

त टी त
१ ३

रु खी सु खी
२ २

तार	.		
मध्य	रि सु सु . ५		सु सु गु म पु पु
मन्द्र	नि		
. गे . लि पा नि या भ र न १ २			

तार	सु	
मध्य	नि Δ सु धु Δ सु पु गु म गु रि	
मन्द्र		नि
के से जा . उ . मो रि . . या ३ ५		

तार	.		सु सु सु
मध्य	सु सु . ५		प नि नि पु
मन्द्र			
. लि हं ज ल अ सु ना भ १ २ ३			

नगर ८

राग विद्वाग.

इस रागमें मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर, तीव्रतरमध्यम के वास्ते निशानी
होगी आरोहम रिषम और धैवत षणं चार्गीके सब शुद्ध स्वर
ताल तीन ताल.

तार	स.
मध्य	ग म पुनि नि ध प Δ म ग म ग रि सु ११
मन्द्र	नि

तार	
मध्य	स ग स ग म ध Δ म प ग म ग
मन्द्र	प नि

दे खो स यी क न्दैया रो . के ठा डो हे
१ २ ३ २

[४२]

नंबर ८.

राग चिदाग.



इस रागमें मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर, तीव्रतरमध्यम के वास्ते निशानी
होगी आरोहमें रिषम और धैवत वर्ग बाकाके सब शुद्ध स्वर

ताल तीन ताल.

तार	स.
मध्य	गु म पु नि नि ध प Δ म गु म ग रि सु ११
मन्द्र	नि

तार	
मध्य	सु ग सु ग म धु Δ म पु ग म गु
मन्द्र	पु नि

दे खो स खी क न्है या रो . . के टा डो हे
१ २ ३ २

तार		
मध्य	रि सु सु . ५	सु सु गु सु पु पु
मन्द्र	नि	

. गे . लि

पा नि या भ र न

१

२

तार	सु	
मध्य	नि Δ सु धु Δ सु पु गु सु गु रि	
मन्द्र		नि

के से जा .

उ . मो रि . . आ

३

६

तार		सु सु सु
मध्य	सु सु . ५	प नि नि पु
मन्द्र		

. लि

हं ज ल ज मु ना भ

१

२

३

तार	सु गुरि सु	सु गुरि सु
मध्य	नि	नि नि . ५
मन्द्र		
	र न घ र से जा ती	वि च मे मि
	२	१

तार	गुरि सु सु .	
मध्य	नि धु प म गुरि	सु
मन्द्र		नि
	ल ग ये ष	नं द जि के . छो रा
	२ ३	२

नंवर ९
राग बिहाग.

ताल क्षपताल

तार		
मध्य	सु ग . १	ग गु म पु ध गु म गु रि
मन्द्र		नि

द सो म ची हो .
२ १ २ ३

तार		सु
मध्य	सु ग म प नि . ५	पु प नि नि
मन्द्र		

. री . स खी ए ऊ स ग ग्या
२ १ २ ३

तार	सु सु . १	सु सु रि सु I
मध्य		नि नि धु
मन्द्र		

ल ने शा म सो . . . ग .
२ १ २ ३

तार	स	स ग म प म
मध्य	Δ सु षु षु नि . ५	
मन्द्र		

त क र
७

रु त . त्रि ज
१ २

तार	ग रि सु स रि सु . ५	
मध्य	नि	नि धु
मन्द्र		

ना . . . र मि ल
३ २

रा धा
१ २

तार		
मध्य	Δ सु षु ऽ म ग म . ५	
मन्द्र		

गो री
३ २

तार		
मध्य	म ग .१	ग ग म प ध ग म ग रि
मन्द्र		नि

द सो म ची हो .
२ १ २ ३

तार		स
मध्य	स ग म प नि . ५	प प नि नि
मन्द्र		

. री . स खी ए क सं ग ग्या
२ १ २ ३

तार	स स . १	स सरि सू I
मध्य		नि नि धु
मन्द्र		

ल ने शा म सो या .
२ १ २ ३

तार	..स	स ग म प म
मध्य	△ सु षु ष नि . ५	
मन्द्र		

..त फ र
७

र त . त्रि ज
१ २

तार	ग रि सु सरि सु . ५	
मध्य	नि	नि धु
मन्द्र		

ना . . . र मि ल
३ २

ग धा
१ २

तार		
मध्य	△ सु षु ऽ म ग म . ५	
मन्द्र		

.. . गो री
३ २

तार	
मध्य	धु पु धु ॥ मु . ११ ग म प नि नि
मन्द्र	

व . हि . द श शी श
२ १

तार	सु सु सु
मध्य	नि प धु ॥ मु पु ॥ म गु . ५
मन्द्र	

वा हु प्र च ड म . . ड न
२ ३ ७

तार	
मध्य	ग ग म नि धु ॥ मु पु ॥ प म ग रि
मन्द्र	नि

वा प श र मं . . . ड न म ही .
१ २ ३ २

तार			सु सु सु सु
मध्य	सु I	ग म	प नि नि
मन्द्र			

० ० पा ० यो ० व गा त स रो
१ २ ३

तार	सु रि सु ०	सु ग
मध्य	नि ग म	प नि नि
मन्द्र		

ज सु ० य रा ० जी ० व आ य
२ १ २

तार	म ग	सु	सु पु सु	ग
मध्य	नि	नि ० १		
मन्द्र				

त लो ० च ० नं नित ० नी
३ २ १

तार	स स रिस
मध्य	नि नि॥ म प धु ॥ मु
मन्द्र	

• मि रा व ह पा • लु या •
२ ३ २

तार		
मध्य	पु॥ ॥ म म	गु गु प नि धु ॥ मु. प
मन्द्र		

• • दु वि दा ल भ य भ य
१ २

तार		
मध्य	गु म गु रि	सु . ५
मन्द्र	नि नि	

मो • य न • • •
३ २

नंबर ११.

राग खमाज संकीर्ण.

— १५७१-२ —

इसमें गधार दो शुद्ध और अतिशैमल धैवत दो शुद्ध और अतिशैमल
 निषाद अतिशैमल, अतिशैमल धैवत और शुद्ध गधारके वास्ते
 निशानि हागी चार्हीके मय शुद्ध स्वर
 तीन ताल.

तार		सु
मध्य	सु रि गु म ङ ग म प ध नि	
मन्द्र		

तार		
मध्य	नि ध प ऋ ध प गु रि सु . १	
मन्द्र		

तार		
मध्य	गु रि	गु गु रि सु रि ष १ गु गु रि
मन्द्र		

• ई हो जा • न त पी हो जा
१ २

तार		
मध्य	सु रि ष १ गु गु रि सु रि	नि धु पु धु
मन्द्र		

न त पी हो जा न त ति य वि र
३ २ १

तार	सु रा सु सु रि	
मध्य		नि धु धु नि नि नि धु
मन्द्र		

ही सु श्री व स खा ल सी प्रा न पि या
२ ३

तार	सु सु सु सु सु सु सु
-----	----------------------

मध्य	पु धु नि धु पु धु
------	-------------------

मन्द्र	
--------	--

वि सु रा ई र न प यो यं धु वि भी
२ १

तार	
-----	--

मध्य	पु पु ५ धु पु ५ धु पु पु ५ धु नि ५ धु पु
------	--

मन्द्र	
--------	--

रा न ह को सो च ह द य अ धि
२ ३

तार	
-----	--

मध्य	मु ५ धु पु मु गु गु रि सु रि . ५ नि धु
------	--

मन्द्र	
--------	--

का . ई हो जा . न त ध न
२ १

तार		
मध्य	गु रि	गु गु रि सु रि ष १ गु गु रि
मन्द्र		

• ई हो जा • न त पी हो जा •
१ २

तार		
मध्य	सु रि ष १ गु गु रि सु रि ५	नि धु पु धु
मन्द्र		

न त पी हो जा • न त ति य धि र
३ २ १

तार	सु रा सु सु रि	
मध्य		नि धु धु नि नि नि धु
मन्द्र		

ही सु ग्री व स खा ल री प्रा न पि या
२ ३

तार	
मध्य	नि ५ धु ५ धु पु पु पु नि ५ धु पु मु
मन्द्र	
की र चि मा धु री न पा . ई	

तार	
मध्य	गु गु रि सु रि ५
मन्द्र	

हो जा . ग त

२

नंबर १२.

राग छायालगत्व खमाज.

इसमें दो गन्धार और दो निषाद लगते हैं एक शुद्ध और दूसरा अतिशोमल, अतिशोमल गन्धार और अतिशोमल निषाद से दिये निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर चार ताल.

तार	सु . ५	रि ५ ग रि स रि	सु सु
-----	--------	----------------	-------

मध्य		नि	.
------	--	----	---

मन्द्र			
--------	--	--	--

र नि १ र ३ उ २ सी . सो ३

तार		
मध्य	धु ५ नि पु धु I . १	ग ग म ५ नि

मन्द्र		
--------	--	--

इ २ . २ अ १ नु ३ ज ३ म

तार		सु	सु सु . ५
मध्य	ध ५ नि नि	नि	नि

मन्द्र			
--------	--	--	--

नु २ ज ३ नि ३ क २ सं २ ग २ क

तार	स स	स रि स
मध्य	नि	प नि ५ नि ध
मन्द्र		
	रा ज त र धु यी	र धी
	१ ३ २ ३	२

तार	
मध्य	प ध मे प प ५ नि ध म प म गु
मन्द्र	
	र भं ज न भ व वि र पी
	२ १ ३ २ ३ २ २

तार	स स
मध्य	गु . ५ स म ग म प ध नि नि
मन्द्र	
	र हा र न स क ल स र जु ती
	१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	५ नि ण धु . ५
मन्द्र	

• • •
२

नं० १३
राग खमाज.

इसमें दो निषाद उगते हैं एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल अतिकोमल
निषाद के वास्ते निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर
ताल झपताल.

तार	स रि
मध्य	स नि ५ नि ध ध म ग स
मन्द्र	

अ रु न द ल म ल न को .
१ २ ३ २

तार	स	स	स	रि	स	
मध्य	नि		नि	५	नि	धु धु . ५
मन्द्र						

र न द तु ज ष ल भि अं ग
३ २ ३ २ २

तार		स	स	सु	सु . ५	रि
मध्य	ग	स	प	ध	नि	नि
मन्द्र						

अं ग अं ग छ वि अ नं ग अ
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	५	ग	रि	स	स	स	स .
मध्य			नि		५	नि	ध
मन्द्र							

ग बि त म न मो .
३ २ ३ २

तार	स	स	रि	सु
मध्य	नि	नि	५	नि ध ११
मन्द्र				

प . ति मि ल . न को
२ ३ २

तार	स	स	ग	म	रि	स
मध्य	ग	म	प	ध	नि	नि
मन्द्र						

ते . रे . ङीं ग ओ . . र स .
१ २ ३ २ १

तार	सु
मध्य	५ नि ध म प ध म ग . १
मन्द्र	

वे . . . अ ह
२ ३ २

तार	स रि सु . ५		
मध्य	ग स म प ध नि	नि	५ नि
मन्द्र			

सा कि औ र द ल प्र य ल प
१ २ ३ २ १

तार	सु		
मध्य	ध प ५ नि धु	५ नि ध प ध रु ग	
मन्द्र			

र भो म . . प र
२ ३ २

तार	स स स स		स स स	स
मध्य	नि		नि	
मन्द्र				

प सो छ प्र प . ति भु य
१ २ ३ २ १

तार	स स रि	सु
मध्य	नि	नि १ नि ध २ १
मन्द्र		

प . ति मि ल . न को
२ ३ २

तार	स स ग म रि	स
मध्य	ग म प ध नि	नि
मन्द्र		

ते रे ढीं ग ओ . र स
१ २ ३ २ १

तार	सु
मध्य	१ नि ध म प ध म ग . १
मन्द्र	

२ . . ३ . २ ६

नंबर १४.

राग देश.



आरोह में गंधार और धैवत बर्ज. निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा
अतिकोमल. अतिकोमल निषाद के वास्ते निशाना होगी.
बाकी सब शुद्ध स्वर.

तीन ताल.

तार	सु सु
मध्य	रि रि म प नि नि † नि धु † नि
मन्द्र	

कु व जा ही म न मा नी

१

२

३

४

तार		
मध्य	धु प	म प म प धु † नि धु म ग म
मन्द्र		

मा से अ यो ल नो . . . जी .

१

२

प	गुं रि गुं १ रि	सु. ५	मं मं मं पं
न्द्र	नि		

रा	ज था री	ज मु ना के
३	१	१

तार	सु सु सु	सु रि रि
मध्य	नि नि नि नि	नि

मन्द्र	उ र ती र धे नु च	रा	व
	३	३	

तार	स स	सु रि	मं रि	सु सु .
मध्य	१ नि	नि		

मन्द्र	व सी मे क छु अ छ र ज गा	२
	२	३

तार		रि रि रि लु लु लु .
मध्य	नि प १ पु	५ नि
मन्द्र		
. धे १ मि २ टी ३ . ता न लु ना ४		

तार		
मध्य	५ नि . धु धु पु पु १	पु . सु पु धु ५ नि
मन्द्र		
. . छ १ ति २ थां ३ चो ४ ल ५ नो ६ .		

तार		
मध्य	धु म ग रि ग १ रि	सु . ५
मन्द्र		नि
. जी १ रा २ . . . ज ३ था ४ री ५		

[६७]

नंबर १५.

राग जयजयवंति संपूर्ण.

इसमें दो गंधार एक शुद्ध व दूसरा अतिशोमल, निषाद दो एक शुद्ध दूसरा अतिकोमल अतिशोमल निषाद और गंधार के वास्ते निशानी होंगे बासीके सब शुद्ध स्वर झपताल.

तार	
मध्य	स रि ग म ग रि ऋ ग रि स
मन्द्र	नि नि
	ते . रो . क . छ . . न .
	१ . २ . ३ . २ .

तार	
मध्य	सु ५ ५ ग म म ध ग म रि ५ ५ ५
मन्द्र	
	ही . जा . त ज सो . दा . .
	१ . २ . ३ . २ .

तार	<u>स</u>
मध्य	<u>स</u> <u>रि</u> <u>म</u> <u>रि</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>ध</u> <u>१</u> <u>नि</u> ५५
मन्द्र	<u>नि</u>

उ ५ मे . जो घ न जा . त
१ २ ३ २

तार	
मध्य	<u>ध</u> <u>प</u> <u>ध</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>ध</u> <u>म</u> <u>ग</u> <u>रि</u> ५५ <u>म</u> <u>प</u>
मन्द्र	

पी या धे . न मे . . रो . . जी न
१ २ ३ २ १

तार	<u>स</u> <u>सु</u> <u>सु</u> <u>सु</u> ५५ <u>स</u>
मध्य	<u>नि</u> <u>नि</u> <u>नि</u>
मन्द्र	

फे . पि या प र धे .
२ ३ २ १

तार	रि ५ ग रि स स रि	
मध्य		ध ५ नि ५५
मन्द्र		

स . ग व न की . नो
२ ३ २

तार		
मध्य	ध प प रि स प ५ नि ^५ . ५५	ध प
मन्द्र		

सू ध ना र ही क छ त न
१ २ ३ २ १

तार		
मध्य	ध ग स प ध स ग रि . ५	
मन्द्र		

ना . ही जो . नो .
३ २

[७०]

नं० ६६.

राग जयजयवंति संपूर्ण.



चार ताल.

तार	
मध्य	रि रि गृ रि रि ग प म ग रि . ५ रि ५ गृ
मन्द्र	

म धे . . रा . त था . . इ
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	सू. ५	सु रि ५ ग रि
मन्द्र	नि	नि नि

. . स व . मृ . ग
१ ३ २

तार		स	स
मध्य	सु . ५	म पु नि	नि नि
मन्द्र			

द प्र फु ली . त कं ज
१ ३ २ ३ २

तार	स स . १	स रि ५ ग रि रि सु .
मध्य		नि
मन्द्र		

य न पा . ल व न य .
२ १ ३ ७

तार	स
मध्य	५ नि धु धु . पु धु मृ . गु रि १
मन्द्र	

ल . . म . य न . .
३ २ ३

तार	स
मध्य	म म रि रि प प प प . १ ५नि
मन्द्र	
	त सो . ही . र सी क . रा .
	१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	धु . ५नि ध प म ग म ध ग म गु
मन्द्र	
	ज रा . ज त जा नं
	१ ३ २ ३

तार	
मध्य	रि . रि ५गु सु . ५
मन्द्र	नि .
	फ ३ . द

[७४]

नंवर १७

राग जयजयवंति.

ताल धमार

तार	
मध्य	रि रि . ५ रि प म गु रि रि ५ गु रि सु .
मन्द्र	

शा म	शा म सो	हो	री
१	२	३	

तार		
मध्य	रि	सु
मन्द्र	नि नि.	ध ५ नि . ५ नि
	ते	आ
	२	१

तार

मध्य

स रि ग रि रि सु० ५ स

मन्द्र

नि

५नि

ज न इ नं . द
२ ३

तार

मध्य

मन्द्र

ध ५नि ध पु० ५ ग स ध नि

नं . द न को . . रा
२ १

तार

मध्य

मन्द्र

सु० रि सु I स रि रि० ५

नि

ध ५नि

धे की . . . नो मा . ध व
२ ३ २

तार	
मध्य	रि म प ध स ग रि रि रि ऋ गृ रि
मन्द्र	नि

वा . . . प भ इ
१ २ ३ ४

तार		स स स
मध्य	स	म प नि
मन्द्र	ध ऋ नि . य	

. . . स खा स खि भ
१ २ ३ ४

तार	सु . य	स रि रि ऋ गृ रि सु . य
मध्य	नि	
मन्द्र		

ये स खि स खा . भ ई
३ २ ३ ४

तार | सु

मध्य | ५ नि ध व ५ नि ध प म ५ ग रि

मन्द्र |

य शु म ती
१भ व न ग ञ
२ ३

तार

मध्य | ५ ग रि सु . ५

स रि स

मन्द्र |

नि

नि

ग ज त
१

२

तार

मध्य | सु

रि ग रि ५ ग रि

मन्द्र |

ध ध ५ नि

नि

ता ल मृ द ग झा ज
२ ३

तार	
मध्य	म रि स म प पु . ५ ध ५ नि ध प ऽ म
मन्द्र	

स र म सी . स मो . र मू गू
३ २ २ १ ३ २

तार	
मध्य	पु . ५ ऽ म पु धु . ध प म . १ प ध प
मन्द्र	

ट पा . . छ न को . रा . .
३ २ २ १ ३

तार	स
मध्य	नि धु . ५ ऽ म पु धु . प म १ . ५
मन्द्र	

ज त . कुं . . ड ल .
२ २ २ २

तार	
मध्य	<u>म</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>ध</u> <u>पु</u> . ५ <u>प</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>रि</u> <u>लु</u> . ५
मन्द्र	

ल ल त कु टी ल
१ ३ २

अ ल क भा. ल
३ २ २

तार	
मध्य	<u>स</u> <u>स</u> <u>रि</u> <u>सु</u> . ५ <u>स</u> <u>स</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>ध</u> <u>प</u> <u>ॐ</u> <u>म</u>
मन्द्र	

वि शा ल
१ ३

नि ल क मृ ग म द
२ ३ २ २

तार		
मध्य	<u>पु</u> . ५	<u>मृ</u> <u>रि</u> <u>स</u> <u>रि</u> <u>सु</u> . ५ <u>म</u> <u>रि</u> <u>स</u>
मन्द्र		

पे

नी के द ल पे
१ ३ २

म र स
३ २

तार		स स स स स
मध्य	म प पु . ५	प ध प
मन्द्र		

सी स भ व य ध न के ने न
२ १ ३ २ ३ २

तार	स स सु . ५	स म म रि सु . ५
मध्य		नि
मन्द्र		

फ म ल ना स की र आ
२ १ ३ २ ३

तार	स	३
मध्य	नि ध पु . ५	म प प ध ५ नि
मन्द्र		

ध र वि व द स न गुं
२ २ १ ३ २

तार		रि स
मध्य	धु. ५ प ध प म सु. ५	म प पु. ५ प
मन्द्र		

ज फं . ठ फं धू ता म द म न को
३ २ २ २ ३ ४ ३

तार		
मध्य	नि ध प ध पु. ५	प म रि स रि सु . ५
मन्द्र		

. . स्तू . म शो . भे झ ल के
२ २ १ ३ २

नंर १९

राग केदार.

ताल धमार.

तार	
मध्य	स रि स म . १ मु प पु पु Δ म ध पु
मन्द्र	
	हो . री रे मो ह न हो . . . १ २ ३ २

तार	
मध्य	म . १ प ध ४ नि ध प ५ १ प ध म .
मन्द्र	
	री रं . . . ग हो . . १ २ ३

तार		स . १ स .
मध्य	प स रि सु . ४	म प प प
मन्द्र		

तार		रि स
मध्य	धु. ५ पध पसु सु. ५	सुपपु. ५ प
मन्द्र		

ज कं . ठ कं धू
३ २ २

ता म द म न को
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	निध पध पु. ५	पस रि स रि सु . ५
मन्द्र		

. . स्तू . म शो . भे श ल के
२ २ १ ३ २

नं० १९.

राग केदार.

ताल धमार.

तार	
मध्य	स रि स म . १ म प प पु ऽ म ध पु
मन्द्र	
	हो . री रे मो ह न हा . . .
	१ २ ३ २

तार	
मध्य	म . १ प ध ४ नि धु प १ १ प ध म .
मन्द्र	
	री रं . ग हो . ३
	१ २

तार		स . १ स .
मध्य	प स रि सु . ४ म प प प	
मन्द्र		
	२ . री फा ल्द ह म रे आ	
	२ १ २ ३	

र	स रि	स म म	
य	म . १	म प पु . ५ प	
द्र			
	ग न मे २	गा . री १	दे आ यो २
			सो ३
र	स		
य	ध ५ नि धु प	प म . ५	
द्र			
	. . को २	. . री	

नथर २०

राग पूरिया.

इसमें पचम वर्ज रिपम, धैवत अतिकोमल, म, तात्रतर
याकाके सब शुद्ध स्वर
ताल धमार

तार		
मध्य	म गृ रि	सु सु . ५ रि
मन्द्र	नि	नि सु .
च ली ना . . र य न ठ ३ २ १ २		

तार		
मध्य	सु सु . ५५	रि गृ
मन्द्र	गु . ५ म ध नि	नि
न हो . . री ये ल न ३ २ १		

तार		
मध्य	म गृ . ५ म गृ . ५५ म धु मृ . गृ . ५	
मन्द्र		
. . लि ये पी च . . २ ३ २		

तार	स रि	स म म
मध्य	म . १	स प पु . ५ प
मन्द्र		

ग न मे

मा . री

दे आ यो

सो

०

१

२

३

तार	स	
मध्य	ध ५ नि ध प	प म . ५
मन्द्र		

. . . को

. . . री

२

नवर २०.

राग पूरिया.

इसमें पचम वर्ज रिपम, धैवत अतिकोमल, म, तीव्रतर
बाकीके सब शुद्ध स्वर

नाल घमा

तार		
मध्य	म गृ रि	स सु . ५ रि
मन्द्र	नि	नि सु .
	च ली ना . . र	य न ठ
	३ २	१ २

तार		
मध्य	सु सु . ५५	रि गु
मन्द्र	गु . ५ म ध नि	नि
	न हो . . री	ले ल न
	३ २	१

तार	
मध्य	म गृ . ५ म गृ . ५५ म धु मृ . गु . ५
मन्द्र	

[८८]

नंबर २१.

राग पुरिया.

तीन ताल.

तार		
मध्य	<u>म</u> गृ रि सु सु सु सु	<u>स</u> सु सु रि
मन्द्र		नि
रा म य द न म ति मौ जु वि लो . ३ २ १ २		

तार		
मध्य		<u>स</u> सु सु सु
मन्द्र	नि धु . ५ <u>म</u> धु धु	नि
क य शा र द को टि श शि न ३ २ १		

तार	रि
मध्य	नि नि धु . ५ धु मु मु मु गु मु धु
मन्द्र	

व . ल घ
२

कु . . कु म ति ल
३ २

तार	रि	
मध्य	नि धु मु मु गु रि मु गु . ५ रि सु	
मन्द्र		

क ल ला टं . सु ह
१ २ ३

तार		
मध्य	सु सु सु सु सु सु रि रि मु मु .	
मन्द्र		नि नि

द य ह द य वि शो . . प क रं
२ १ २

तार	रि
मध्य	गु रि सु . ५ रि गु गु म धु नि
मन्द्र	नि

• क ह णा • म य न य न धि
३ २

तार	
मध्य	धु मु म गु रि म गु . ५
मन्द्र	

पा . . . टं
१ २

नंवर २२

राग पूरिया.

ताल तीनताल
तराना.

तार		
मध्य	रिं गू गू रिं रिं सु सु सु .५	रिं सु
मन्द्र	नि	

तों त न न त न त त न
३ २

दे रे
१

तार		
मध्य	सु सु .१ सु	सु
मन्द्र	नि धू १ धू धू नि	नि

ना . त न दे रे ना . त न
२ ३ २

ना
१

तार		
मध्य	रिं रिं रिं रिं सु सु सु रिं रिं सु सु सु	
मन्द्र	नि	

दे रे दे रे त न न नि ता न नि त त
२ ३ २

तार		
मध्य	सु . ५	रि सु
मन्द्र		नि . १ मु मु धु नि नि
न दे रे ना . त न न न दे १ २ ३		

तार		
मध्य		स सु स
मन्द्र	नि धु मु मु . ५	मु मु धु म धु
रे ना . . दे रे ना दी त ना . दी २ १ २ ३		

तार		
मध्य	स सु सु सु . ५	स १ रि रि
मन्द्र		धु धु नि
दी त न न ता दी दी . दी त न १ २ ३		

तार		
मध्य	म ग . १	रि रि गु गु ग म म ध
मन्द्र		नि

ना २ र्दी १ त न न न दी त न न

तार		
मध्य	म म गु गु गु . ५	म नि ध म म म ध
मन्द्र		

न न न न न र्दी १ र्दी २ त न न त ३

तार		
मध्य	नि ध म म म	ग . स स स स स स
मन्द्र		

र्दी २ र्दी १ र्दी २ त न न न न न

तार		
मध्य	सुरिस १	मृमृरिगृमृधृमृ . ५
गन्द्र		

३ २ ना ३ २ ना दी त ना .
२ २

तार		
मध्य	निधृमृधृगृगृ	मृमृमृमृगृगृरि रि
गन्द्र		

३ दी दी त न न ३ र द र द र द र
२ १

तार		
मध्य	सृसृ	रिगृगृरिरिसृसृसृ . ५
गन्द्र	नि	

दा नि तौ त न न त न त त न
२ ३ २

तार		
मध्य	स ग . १	रि रि गु गु ग म म ध
मन्द्र		नि

ना २ र्दी १ त न न न रा त न न
२ २ ३

तार		
मध्य	म म ग ग ग . ५	म नि ध म म म ध
मन्द्र		

न न न न न र्दी १ र्दी २ त न न त
२ २ ३

तार		
मध्य	नि ध म म म	ग . स स स स स स
मन्द्र		

र्दी २ र्दी १ र्दी २ त न न न न न
२ १ २ ३

तार	सु सु सु सु सु	रि	गु रि सु
-----	----------------	----	----------

मध्य	धु मु मु	नि	
------	----------	----	--

मन्द्र			
--------	--	--	--

र द र तुं द र द र धि त्तां . तुं द
२ १

तार	सु सु सु	रि
-----	----------	----

मध्य	नि नि निधुधु धु धु मु धु नि धु
------	--------------------------------

मन्द्र	
--------	--

र द र धि त्ता . तुं द र द र धि त्तां . तुं
२ ३ २

तार	
-----	--

मध्य	मु मु मु मु मु मु मु गु रि रि सु सु
------	-------------------------------------

मन्द्र	
--------	--

द र द र द र द द र द र दा नि
१ २

तार	सु सु सु सु
-----	-------------

मध्य	गु गु गु गु गु गु मु मु ध ध
------	-----------------------------

मन्द्र	
--------	--

ना दि र द र द र मि ति ल न दी त न न
१ २ ३ २

तार	सु सु . ५	सु सु सु सु	रि
-----	-----------	-------------	----

मध्य		नि नि नि
------	--	----------

मन्द्र	
--------	--

न दी त न न न नि त न सु
१ २

तार	
-----	--

मध्य	धु नि धु धु मु मु नि	धु धु मु मु धु गु गु मु धु
------	----------------------	----------------------------

मन्द्र	
--------	--

नि त न - नि ता रे त न नि ता रे त न ना द
३ ३ १ २ ३

तार	सु सु सु सु सु	रि	गु रि सु
मध्य	धु मु मु	नि	
मन्द्र			
र द र तुं द र द र धि त्ता १ तु द २			

तार	सु सु सु	रि	
मध्य	नि नि	निधुधुधुधुमुधुनिधु	
मन्द्र			
र द र धित्ता २ तु द र द र धित्ता ३ तुं २			

तार			
मध्य	मु मु मु मु	मु मु मु	गु गु रि रि सु सु ५
मन्द्र			
द र द र द र द १ द र द र द नि २			

नंवर २३.

राग कानडा संपूर्ण.

इसमें गंधार धैवत कोमल, निषाद दो, एक शुद्ध दूसरा अतिकोमल
अतिकोमल निषाद के वास्ते निशानी होगा बावकि सब शुद्ध स्वर
ताल चार ताल.

तार		
मध्य	स म रि स रि . ५	
मन्द्र	नि	धँ धँ धँ ध

तु व . मुर त रु . प रे
३ २ २ १ ३

तार		
मध्य		सु.
मन्द्र	५ नि पु . ५ म् प धँ धँ ५ नि . ५	

. रा रं ग की . ध नी
२ ३ २ २ १३

तार	
मध्य	स स . १ रि स सु .
मन्द्र	नि नि नि ध . ५

आ . ये . आ . ले री . .
२ ३ २ २

तार	
मध्य	स रि रि १ रि गँ . १ ध
मन्द्र	स प नि

ध न ध न ध न वि रं . च
१ ३ २ ३ २

तार			
मध्य	गँ . १	ग म रि सु सु . ५	म प ध . १
मन्द्र			

त का . री य ह नृ . सी .
२ १ ३ २ १ ३ २

तार	सु .	सु सु . ५	सु .
मध्य	नि	नि	नि
मन्द्र			

तु हि . औ . र वे . खी
३ २ २ १ ३

तार	सु रि सु .
मध्य	नि ध . १ ध नि पु . ५
मन्द्र	

. न ले . . खी . ये
२ ३ २ ३

तार	
मध्य	प श्रु . १ ग म प ग रि रि सु . ५
मन्द्र	

तु व . प . र मे रि झा ई
१ ३ २ ३ २ २

तार	स
मध्य	स रि म प धं . १ नि ध
मन्द्र	नि

दे य लो . फ मे . ना . हे
१ ३ २ ३ २

तार	
मध्य	५ नि पृ ५ . ५ रि म रि स सु . ५
मन्द्र	

. . ना . री य ह
२ १ ३ २



[१०२]

नंवर २४

राग कानडा

ताल तीनताल

तार	
मध्य	सु . ५ सु सु सु सु सु
मन्द्र	धँ धँ नि नि
	सो . इ . क री म र ही म १ २ ३ २

तार	
मध्य	स सु स सु सु सु सु रि
मन्द्र	नि नि धँ ५ नि
	ह की म पा क ष र व र दि गा .

तार		
मध्य	सु ५ रि सु . ५	स ग म म प प
मन्द्र	नि	
	२	तु य जो मौ म न की इ २ १ २ ३

तार		
मध्य	प प	म प ५ नि ५ नि प म रि सु रि
मन्द्र		नि
	छा सो पु ज वो . . . सा . २ १ २ ३	

तार		
मध्य	स स	स स रि म
मन्द्र	५ नि ५ ने	म प ध
	२ इ स दा रं ग को दी जे दी न २ १ २ ३	

तार		सु . १
मध्य	सु प ५ नि पु	५ नि ५ नि पु
मन्द्र		
	हु नी मे . जो	या . त
	२	१ २

तार	
मध्य	सु रि सु सु रि सु सु ५ रि सु . ५
मन्द्र	नि नि
 ये . . तु य
	३ २

नंबर २५.

राग कानडेकी बहार.

इसमें गवार दो शुद्ध और कोमल, धैर्य दो शुद्ध और कोमल
 निपाद दो शुद्ध और अतिकोमल, शुद्ध ध, ग, और अतिकोमल
 नि के वास्ते निशानी होगी. चार्डी सन शुद्ध स्वर
 ताल तीन ताल

तार	सु सु	
मध्य	नि नि ५ नि षु सु रि सु रि	गुं म
मन्द्र		
उ द त न द त न द या न रे दि ३ २ १		

तार	सु सु रि सु	
मध्य	प धँ ५५ नि ५ नि	धँ . १
मन्द्र		
ता नो . दिं त न न दे रे ना २ ३ २ १		

तार		
मध्य	धँ धँ ५ नि षु षु षु सु ५ नि षु गु . ५	
मन्द्र		
दीं दी . त न न न दे रे ना २ ३ २		

तार	
मध्य	गु म पु I गु . १ गु म सु सु सु सु . ५
मन्द्र	

ता . . . नों दों दों त न न न
१ २ ३

तार	
मध्य	सु . सु सु मु ५ मु मु मु मु मु मु पु पु पु
मन्द्र	

दे र ना दे र ना द र द र त न न
१ २ ३

तार	मु . मु मु . ५
मध्य	पु ५ नि मु पु . ५ गु . गु
मन्द्र	

न दे रे ना दे र ना दे ३
२ १ २

तार	सु सु रि रि
मध्य	मृ णु ङ गु मृ णु ङ धु नि
मन्द्र	

ना त दा नि त न त् द र त द
३ २

तार	सु रि सु	सु
मध्य	५नि ५नि पु . ५ नि नि	
मन्द्र		

र दा नि त दा नि उ द त
१ २ ३

तार	सु	
मध्य	५नि णु मृ रि सु १	मृ मृ मृ मृ णु णु
मन्द्र		

न द त न द . य ल लि य ल लि
२ १ २

तार	सु सु सु . ५	रि
मध्य	धूँ धूँ नि नि नि	५ नि
मन्द्र		

य ल लॉ य ल लॉ य ले
३ २

य ला
१

तार	सु रि सु सु . सु रि	रि
मध्य	नि धूँ धूँ नि	
मन्द्र		

य ला या ला . ले य ल ल ल ला
२ ३ २ १

तार	सु . ५ सु सु	
मध्य	नि . म म म म म म . प म	
मन्द्र		

. ले उ द नि ता त दे रे ना शी
२ ३ २

तार		
मध्य	पु	५ नि ५ नि पु मृ रि रि सु . ५ सु सु
मन्त्र		

त न न न दे ना ना द
१ २ ३

तार		
मध्य	सु सु सु मृ मु मु मु मु मु मु मु मु मु	पु पु
मन्त्र		

रं द र तुं द र द र द र द र द र
२ १

तार		सु म
मध्य	पु पु पु पु पु पु ५ नि ५ नि पु पु पु पु पु पु	
मन्त्र		

द र द र द र द र द र द र द र धित्ता
२ ३

तार	रुरिरिसुसुम	रि सु सु
मध्य		नि ५ नि पु . ५
मन्द्र		

तुं द र द र ता रे दा नि त दा नि
 २ १ २

नंबर २६.

फानडेकी यहार.

तीनताल.

तार		सु
मध्य	५ नि प सु ष गु मु ५	धुँ नि नि
मन्द्र		

फै सी नि फ सी . चां . द नी
 ३ २ १ २

तार	सु ५	
मध्य	नि ५ नि नि पु म म म म	गुं
मन्त्र		

. . स र द रै न म द मा
३ २ १

तार		
मध्य	म म पु रि रि सु सु ५ म म पु पु धु	
मन्त्र		

. ती यो क ल म इ पि उ पि उ टे
२ ३ २

तार		स सु ५
मध्य	मु पु ५ गु म ध नि नि नि	
मन्त्र		

. र त भा . मि नी . .
१ २

तार	सु सु सु लु	सु रि
मध्य	सु सु ५ नि धु ५ नि	नि
मन्द्र		

छि न आं . ग न छि न जा . त
३ २ १

तार	सु रि रि
मध्य	धुँ धु ५ नि ५ नि प सु सु सु
मन्द्र	

भु च न मे डि न वै ठ त छि
२ ३ २

तार	
मध्य	सु गु सु सु पु रि सु सु सु सु सु सु
मन्द्र	नि

न ठा . ऐ हु दौ र त क ल न प
१ २ ३

तार		सु सु सु रि सु १
मध्य	सु सु पु पु	॥ गु सु नि
मन्द्र		

र त त र
२फ त वि र हा . . कु
१ २

तार	
मध्य	धु . ५ ५ नि ५ नि पु सु धु पु सु पु ५ गु सु
मन्द्र	

ल ख म क त जो . . . डु ति
३ २

तार	सु रि गु रि सु सु . ५
मध्य	धु नि नि नि
मन्द्र	

दा . मि नि
१ २

नंबर २७.

राग कामोद.

इसमें दो मध्यम लगते हैं, एक शुद्ध दुगुना तीव्रतर, जब शुद्ध मध्यम लगे उसवक्त अवरोह करना, और तीव्रतर लगे उसवक्त आरोह करना, तीव्रतर मध्यम के वास्ते निशानी होगी यारीके साथ शुद्ध स्वर.

तानिताल.

तार		
मध्य	१ पु पु धु धु . पु	म . म पु धु ६ म पु गु
मन्द्र		

जा ने न र्या . गी रि मा ई , . धा
२ १ २ ३

तार		
मध्य	मृ रि सु सु रि सु . य	सु सु
मन्द्र		नि धु . नि नि

प ने या ल म फा न . न न मे फ
२ १ २

तार		
मध्य	सु रि स सु सु सु सु . ५	रि सु रि सु
मन्द्र		

र रा खो प ल ख न सुं . द
३ २ १

तार	
मध्य	रि सु रि सु ५५ सु रि पु ५ पु पु धु धु . पु
मन्द्र	

सुं . . द . क रे . . आ ने न यो .
२ ३ २

तार		सु
मध्य	सु . सु पु धु Δ सु पु ५	सु सु पु पु
मन्द्र		

गी रि मा ई . . ज ब आ वें ने
१ ० ३ ४

तार	स सु सु ५ म म रि सु
मध्य	ध . प म रि
मन्द्र	

ला ल हि आ . प्र हि मो रे म द
१ २ ३ ४

तार	म म रि ५ रि सु . १
मध्य	५ सु ५ ५ ध नि
मन्द्र	

१ २ ले ३ ह य ल या .
४ ५ ६ ७ ८ ९

तार	स रि	सु
मध्य		नि ध प प म ५ सु रि पु . ५
मन्द्र		

. . शु . म शु म य रे
१ २ ३ ४ ५ ६

तार		
मध्य	सु रि स सु सु सु सु . ५	रि सु रि सु
मन्द्र		

र रा खो प ल ख न
३ २

सु द
१

तार		
मध्य	रि सु रि सु ५५ सु रि पु पु पु धु धु . पु	
मन्द्र		

सु द क रे जा ने न यो
२ ३ २

तार		स
मध्य	स . सु प धु ५ सु पु ५	सु सु पु पु
मन्द्र		

गो रि मा ई
१ २

ज व आ ये ने
३ २

तार	सु सु सु ५ म म रि सु
मध्य	ध . प म रि
मन्द्र	

ला ल हि आ . प्र हि मो रे मं व
१ २ ३ २

तार	म म रि ५ रि सु . १
मध्य	५ सु ५ ५ ध नि
मन्द्र	

. र ले . ह व ले या .
१ २ ३ २

तार	सु रि सु
मध्य	नि ध प पु म ५ सु रि पु . ५
मन्द्र	

. . श्र . म श्र म क रे .
१ २ ३

[११८]

नंवर २८.

राग कामोद.

ताल छप्ताल

तार		
मध्य	रि प प प प धु Δ मु प . पु . ५	Δ म
मन्द्र		

गा रे य द न प . . र शा
१ २ ३ २ १

तार	सु .	
मध्य	प धु नि ध Δ स धु Δ स ग रि . ५	
मन्द्र		

. म . . धि टा . . ना . .
२ ३ २

तार	.
मध्य	रि प Δ म प ग म रि सु सु . ५
मन्द्र	नि

ति ल क . भा . ल ओ . र
१ २ ३ ४

तार	सु
मध्य	रि प ध प ग म सु रि सु . ५
मन्द्र	

सुं . द . न . मा . ई
१ २ ३ ४

तार	सु सु सु सु सु सु . ५	सु
मध्य	प प	नि ध
मन्द्र		

गा रे गो रे क र जा मे द रि हा
१ १ ३ २ १ २

तार	रि स	रि प ग म रि
मध्य	नि ध्र प . ५	नि
मन्द्र		

रि बु रि या .
३ २

पो छे ग ज र ओं
१ २ ३ २

तार	स सु . ५	स
मध्य		रि प ध्र प ग म स रि सु . ५
मन्द्र		

वूं . . द . न . मा . ई
१ २ ३ २

नंवर २९.

राग शंकरा.

इसमें मध्यम वर्ज वाक्री के सब शुद्ध स्वर लगते हैं ताल
चक्र चारताल. (आडा चौताल.)

तार	सु सु	
मध्य	ध नि . ५	प ग प ग ल सु . ५
मन्द्र		

बं डी .
२ ३

चं . ड मुं . ड
१ २ ३

तार		
मध्य	स . सु रिस . १	स
मन्द्र	नि ध	प ध प

दि . द ल म ली
२ ३ २ ३

म दि पा .
१ २

तार		
मध्य	स स स सु रिस स सु . ५	रा ग ग
मन्द्र		

सु र सं रा र नी अ घ
२ २ ३ २ ३

म न को
१ २

तार	सु सु
मध्य	ग रि ग १ प ग ग सु . ५ ध
मन्द्र	

ग ती . दी . नी जं डी .
३ २ ३ २ ३

तार	स सु स स . १ स स
मध्य	नि ५ पु नि
मन्द्र	

. सं त पा ल नी धौ र दी
१ २ ३ २ ३ २

तार	ग ग ग प पु ग . प ग रि सु . स
मध्य	नि
मन्द्र	

न ना . . . दु खी या न ती
३ १ २ ३ २

तार	सु	
मध्य	धु नि प ध नि १-५	प प ग ग
मन्द्र		

• • हु लो • क वि दी १ जै
३ २ ३ १ २

तार		
मध्य	रि गु . प ग ग सु . १	
मन्द्र		

• • मी की • नी
३ २

नंबर ३०.

राग नट.

इसमें मय शुद्ध स्वर लगत है.

ताल नीमताल

तार		
मध्य	सु .	सु . १ रि गु
मन्द्र	नि	प १ १ ध ध

• • ; • झ टी • झ •
१ २ ३ २

तार		
मध्य	रि गु	१ नि ५ सुरि सु . १ रि गु
मन्द्र		नि

; • टी २ य ती
३

तार		
मध्य	ग म	धु पु धु पु म ग . १ ग म ग रि . १
मन्द्र		

या • व • • ना ये • •
२ १ २ ३ ०

तार	
मध्य	गु मु ष म गु रि सु सु . सु
मन्द्र	नि नि
	य . . ना . . ये . फ . .
	१ २ ३

तार			
मध्य	गु . १	सु सु . ५	रि . १
मन्द्र		नि	
	२	१	२

तार	स .	सु . स . १	सु .
मध्य	पु	नि	नि
मन्द्र			
	ह	मे	जा
	३	२	१

तार		
मध्य	ध प मु ण . प म ग म० रि ५	रि रि ग
मन्द्र		

२ . . . न त . . . तु म हो
३ २ १

तार		
मध्य	म पु मु म० रि सु	सू . रि सु . ९
मन्द्र	नि	

२ जा . . . न त .
३ ३ १ २

तार		
मध्य	रि सु . ९ सु रि	सु I
मन्द्र	पु पु नि	नि ध

स र स ज ग . जा . . . न
३ २ १

तार	सु सु .
मध्य	गु मृ पु पु नि धु पु
मन्द्र	पु ५ . ५

त हि य र सा हा य
२ ३ २

तार	
मध्य	स ग ग मृ रि स रि सु रि लु । १
मन्द्र	नि नि

रा दे ता जा ना १
१ २ ३ २

तार	
मध्य	ल
मन्द्र	नि धु नि ५ ॥

. [१२९]

नं० ३१.

राग मालवकौशिक.



इसमें रिपभ और पचम वर्ज गंधार धैवत और निषाद
अतिभोगल बारी के सब शुद्ध स्वर
ताल चारताल.

तार	स .
मध्य	सु ग म ध नि नि ध म ग स . १
मन्द्र	

तार	
मध्य	स स स म म ग म सु . ५
मन्द्र	ध नि

सा रे र घ गी . ग धी . र
१ ३ २ २ २ २

तार		
मध्य	सु सु सु सु ध सु सु गु गु . ५	गु सु ध
मन्द्र		

लं क धी. श आ व ध मा. न
१ ३ २ ३ २ २

सं ग स
१ ३

तार	स सु ग स	
मध्य	नि नि धु . ५	सु धु
मन्द्र		

या . अं ग द सु ग
२ ३ २ २

री .
१

तार		
मध्य	नि ध सु सु ग ग सु सु . ५	ग ग
मन्द्र		

. ध औ. र ह नू . मा. न
३ २ ३ २ २

र ह
१

तार	सु सु सु	सु
मध्य	म ध ध नि नि नि . ५	
मन्द्र		

स र ह स गा य त यु व ती
३ २ ३ २ २ १

तार	सु सु सु	सु म
मध्य	नि ध नि ध ध म . ५	
मन्द्र		

ज ग वं ध न धि धा . न द्वे ध
३ २ ३ २ २ १ ३

तार	ग सु सु सु सु ग सु	
मध्य	नि धु . ५	ग सु
मन्द्र		

कू सु म च र ख त ध न जा .
२ ३ २ २ १

तार	
मध्य	मृ धु नि ध म ग ग ग मृ सु सु . ५
मन्द्र	

के . . र हे न म यि . मा न
३ २ ३ २ २

नंबर ३२.

राग मालवकौशिक.

तीन ताल.

तार		
मध्य	ग	सु . ५ १ मृ मृ
मन्द्र	नि नि नि धु नि	

आ घा स्म र द म ना शं क
३ २ १ २

तार	सु
मध्य	ग सु धु नि नि धु नि . ५ धु
मन्द्र	

रा ट म रु व र क रा अ
३ २ १

तार	
मध्य	सु गु सु गु सु . ५ गु
मन्द्र	नि नि नि धु

म ल नि धा ना आ धा स्म र द
२ ३ २

तार	सु १ सु सु
मध्य	म म सु धु नि
मन्द्र	नि . ५

म फं टी ग र ल ने . श्री अ

[१३४]

निं धु नि	नि नि धु म गु १ म धु नि
-----------	-------------------------

न ल शी	धी श	शि ध	रा रा	ह म	रु
२	१	२	३		

र	सु	नि धु नि	धु म गु म गु सु ५
---	----	----------	-------------------

मध्य	मन्द्र	य र क रा	अ म ल नि धा ना
		२	१ २

तार	गु	सु म गु ५
मध्य	नि नि नि धु नि ५	
मन्द्र	आ घा स्म	र द म
	३	२

भू ता त्मा
१ २ ३

तार		स . सु
मध्य	मृ ध्र . नि	ध्र . नि म .
मन्द्र		
प रा स्म रा म हे श्व रा		
२ १ २ ३		

तार		
मध्य	गृ . मृ	स . १ मृ गृ मृ ध्र मृ ध्र नि ध्र
मन्द्र		
मा व रा प्र व रा न व रा न य		
२ १ २ ३ २		

तार		सु सु सु
मध्य	नि . ५	नि नि नि ध्र ध्र
मन्द्र		
रा डु स रा प रा -		

तार		
मध्य	म मृ ग	गु स म मृ ग . ५ मृ धु नि
मन्द्र		

रा दि ग य रा श क रा ड म रु
२ १ ३

तार	सु	
मध्य	नि धु नि	धु मृ ग मृ ग स ग
मन्द्र		नि

य र क रा अ म ल नि धा ना धा धा
२ १ २ ३

तार		
मध्य		स स ग सु सु
मन्द्र	नि नि धु नि . ५	नि

स्म र द म अ ह्य च्यु त यु त
२ १ २

तार		
मध्य	मु मु . ५ धु मु गु मु	धु धु . ५ नि धु
मन्द्र		

गा ती
३मु नि ध र
७यो गा
१व रि
२

तार		सु		स
मध्य	मु धु नि नि . ५		नि धु नि	
मन्द्र				

य रि धा वे
३उ
२नि प र रा
१

तार	सु . ५ सु		सु
मध्य		नि धु मु	नि धु नि धु
मन्द्र			

हे

गि
२

रि

व

र

म हा त्म अ पा
३ २

तार	
मध्य	स ग म ध ध ध धु नि . ध म
मन्द्र	नि

चा . ह त सु नि ज न . प्र स
१ ३ २ ३ २ २

तार		स स
मध्य	सु . ५	ग म ध नि नि नि . ५
मन्द्र		

ग प्र ग टी . र धू ना ध
१ ३ २ ३ २

तार	रि स	स
मध्य	नि . ५	नि ध म ग रि सु
मन्द्र		

च र न य र न सु ख यी
२ १ ३ २

तार		
मध्य	स ग म धु . ५	ग म ध नि
मन्द्र	ध नि	

हा . री
३ २

दी . नी .
१ ३

तार	स स	म सु . ५
मध्य	धु . नि नि	नि
मन्द्र		

नि धी वू द डा र
२ ३ २ २

तार	स रि स	सु .
मध्य	नि	नि नि धु म ग
मन्द्र		

अ रि अ न .
१ ३ २

ग सी स डा
३

तार		सु मु गु . रि सु . ५ सु रि
मध्य	सु मु . ५	
मन्द्र		
	२	आ . . ३ . . सू त

तार	सु सु	
मध्य	नि ध सु . ५	ग सु ग रि सु . ७
मन्द्र		
	म ध्य लो . क	सं . त न को
	३ २ २	१ ३ २

तार		
मध्य	सु ग सु धु . ५	
मन्द्र	धु नि	
	प्या . री . .	
	३ २ २	

राग बागेशरी

इसमें गधार अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध दूसरा अतिकोमल,
 शुद्ध निषाद के वास्ते निशानी होगा बाबा के सब शुद्ध स्वर
 ताल तीन ताल

तार		
मध्य	१ रि गु रि सु	रि सु . १ सु सु रि . सु
मन्द्र		

को न ग त भ इ . ली . . मौ
 २ १ २ ३

तार		
मध्य		सु सु रि
मन्द्र	नि धु . धु	नि पु ५ ५ ५ नि

२ . सी . . पि य न पू
 १ २

तार		
मध्य	गुरिसुरिरि५५मुपपुधु.	सुग
मन्द्र		

. . . छे ए क . . धा .
३ २ १

तार		
मध्य	रिमृगुरिसु१रिगुरिसु	I . गु
मन्द्र		

. . . त . को न ग त . ए
२ ३ २ १

तार	सु . सु५	सु५५
मध्य	मुधुनि	०नि
मन्द्र		

क व न धं . . . इ
२ ३ २ १

तार	सु रि गु रि सु . सुरिसु . ५
मध्य	६ नि
मन्द्र	

स क ल . य न . . . ध
२ ३ २

तार	सु
मध्य	नि नि नि ध्रु १ ध्रु धु नि १ ध्रु पु
मन्द्र	

न . . आ ये . डा . . . रे .
१ २ ३

तार		
मध्य	गु . रि गु सु . ५	गु म पु पु धु म गु रि सु
मन्द्र		

डा . . र . कर . . . पा . त .
२ २ २ ३

नगर ३०

राग सोहनी पाडव.



इसमें रिपभ अतिकोमल मध्यम तीव्रतर, पञ्चम वर्ण, निषाद तीव्र
आकाशे सब शुद्ध स्वर है

ताल तीनताल

तार	सु	रि सु
मध्य	१ गु गु गु म धु नि	नि
मन्द्र		

ये रि ज सो दा तु स ल रा ग
३ २ १

तार	रि रि सु ५१ रि सु रि सु
मध्य	नि नि नि ध
मन्द्र	

ल रा द ते रे कु प र ने
४ ३ ५

तार	सु	
मध्य	सु धु नि धु नि	नि . ५
मन्द्र		१ गु गु

धु १ म २ म ३ वा . ३ ई का उ

तार	सु रि सु रि	
मध्य	गु सु धु नि नि	नि नि
मन्द्र		

के २ लि २ र से म १ ट की या व २ धु कि

तार	सु सु १ रि सु रि सु	
मध्य	नि धु धु	सु धु नि
मन्द्र		

लि ३ नि का उ के २ लि र से य १ ग रि या

तार	सु १ गु रि म
-----	--------------

मध्य	नि नि धु नि नि
------	----------------

मन्द्र	
--------	--

दू रु का . . ई वि च ड

तार	गु रि सु रि सु रि रि
-----	----------------------

मध्य	नि नि
------	-------

मन्द्र	
--------	--

ग र मो से नि ष ट त न

तार	सु सु १ रि सु रि सु
-----	---------------------

मध्य	नि नि धु धु
------	-------------

मन्द्र	
--------	--

ट थ र धा द हा स त स थ

तार	सु	
मध्य	सु सु ध नि धु नि	नि . ५
मन्द्र		

ध्रि ज कि लु गा . ई
१ २

नंबर ३६

राग हिंडोल ओडव.

इसमें रिषभ पंचम वन मध्यम ताव्रतर बाकीके सब शुद्ध स्वर
ताल धमार

तार	सु .	
मध्य	स ग म ध नि ध म म ग स	
मन्द्र		ध

शा म मो सो रे लो न हो
१ २ ३ ४

तार		
मध्य	स स . १	सु . स ग
मन्द्र		नि ध म ध
	री	या . . ला गो . क
		१ २

तार	स	
मध्य	ग म ध स ग म धु . ५	स ध
मन्द्र		
	र जो . . री . . .	गै या
	३ २	१

तार	स स स	
मध्य	ध नि सु . ध ध धु . ५	ध
मन्द्र		
	व रा . . व न	मै नि क सी
	३ २	३ २

तार	स . १	स ग ग स ग स	सु .
मध्य			ध नि
भन्द्र			

५. सा . स न नं द की .
१ २ ३

तार	
मध्य	ध रु ग स सु . ५
मन्द्र	ध

• • • • •

नंवर ३७

राग ललित पाडव.

इसमें स्थिर भवत अतिके मउ मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर,
तीव्रतर म के वास्ते निपाती होनी बासा के सय शुद्ध स्वर

ताल धमार

तार

मध्य सु . मृ . १ म म म मृ मृ मृ गु Δ मृ ध

मन्द्र

क ख जा उ आ ली . . . नि क
१ २ ३ ४

तार सु . ५ ५ रि

मध्य नि नि Δ म ध Δ म

मन्द्र

सी न न द की
१ २ ३ ४

तार

मध्य गु मृ गु मृ गु १ रि गु मृ . ५ Δ म

मन्द्र

नि

. . . चा . री ला ल हो वा
३ ४ ५ ६ ७

तार	सु सु सु . सु सु . १	रि
मध्य	धु	नि .
मन्द्र		
. दी न को ड र मे रे २ ३ २ १		

तार	ग रि सु ११ रि	
मध्य	नि नि ध	△ म
मन्द्र		
री दी या म . . २ ३ २ १		

तार	सु . सु सु . १	रि
मध्य	ध △ म ग म .	नि
मन्द्र		
. . . ता री नी धा . २ ३ ४ १		

तार	
मध्य	निध Δ मध ग म ग १ रि ग म ० ५
मन्द्र	नि

ह म रो . . . री ल ल हो .
० ३ २

नंगर ३८
राग ललीत

तीन ताल

तार	
मध्य	गु रि गु म गु रि रि गु म म Δ म
मन्द्र	नि

धि या पि या क र त प पी य रा
३ ३ १ ०

तार	सु सु रि
मध्य	गु मृ . ५ ॥ मृ धृ ॥ मृ धृ नि
मन्द्र	

. . उ ड रि का य लि या फ
३ २ १

तार	
मध्य	नि धृ ॥ मृ धृ ॥ मृ मृ गु . ५ ॥ मृ धृ ॥ मृ धृ
मन्द्र	

व न दे . स मो रे पि या को मि
२ ३

तार	सु रि
मध्य	नि नि नि धृ ॥ मृ नि धृ ॥ मृ
मन्द्र	

ल ना . . फ य . . हो .
२ १ २

तार		सु . सु
मध्य	गु मु गु . ५	△ मु धु △ मु धु
मन्द्र		

. ये

त्रि गा

र त्रि गा

र

३

२

तार	सु रि रि	सु . ५ रि
मध्य	नि	नि नि नि ध
मन्द्र		

दा द र सो

ले

मु

र पा

१

२

३

तार		रि
मध्य	नि नि △ मु धु △ मु धु	नि धु △ मु गु
मन्द्र		

यो .

ले .

य न य

न ये

२

१

२

तार		
मध्य	मृ . मृ मृ मृ मृ मृ मृ	गृ रि गृ मृ गृ
मन्द्र		

आ घ न सु नी पी स म म न र
३ २ १ २

तार		सृ सृ सृ रि
मध्य	रि सु . ५ मृ धृ मृ धृ	
मन्द्र		

ग की म ग न भ ये स य घ
३ १

तार		
मध्य	नि नि मृ धृ मृ गृ मु . ५	
मन्द्र		

र के हि य रा .
२

[१५७]

नं० ३९.

राग चसंत.

—०.००—

इसमें रे, ध अतिशोभल म दो शुद्ध, तान्तर शुद्ध म के वास्ते
निधाना होगी, बाजाके सब शुद्ध स्वर आरोह में पंचम वर्ज.

तीन ताल.

तार		
मध्य	१ मृ धु नि . २ ध पु . ४	धु मृ पु मृ गृ
मन्द्र		

पि या . मं ग मे
३ ० १

तार	स . ५ ५	रि सु
मध्य	स ग . १ मृ धु	नि
मन्द्र		

. . लो . री य र न
२ ३ २ १

तार	रि सु सु.५ सु
मध्य	नि ध नि ध पु.५ मु मु
मन्द्र	

व र न के व स न प र कु ल .
२ ३ २

तार	
मध्य	ध नि नि ध मु गु . ५ म गु रि सु . ५
मन्द्र	

व न के ह र या गुं दे गुं दे
१ २ ३ २

तार	सु .
मध्य	स ध नि नि ध पु १ मु धु नि . ५
मन्द्र	

डा रि हो . ग र वा पि या .
१ २ ३ २

तार	
मध्य	ध पु.५ धुमु पु मु गु मगु.१ मु
मन्द्र	

सं ग से . . . लो
२ १ २ ३

तार	स.५५	ससुस.सु
मध्य	धु	१.मु धु
मन्द्र		

. री तै सो हि व सं त
२ १ २ ३

तार	सुसुसु.५	सुसुसुसुसु सुसु
मध्य		नि
मन्द्र		

उ प जे स य के म न ड ल सा
२ १ २ ३

तार	रि सु I सु	रि गु
मध्य	नि नि धु नि . ५	
मन्द्र		

. . . लि नो म न्वा थ त
२ १

तार	गु . रि सु रि रि सु सु	
मध्य	नि नि नि धु धु	
मन्द्र		

हि . छा व प री . . . ला . मो
२ ३ २

तार	सु सु	
मध्य	मु मु धु . ५ नि धु नि धु प	
मन्द्र		

. . रा जी ह र वा . .

राग कालंगडा संपूर्ण.



इसमें रिषभ, धैवत अतिमोमल, निषाद दो शुद्ध और अतिमोमल
शुद्ध निषादके चास्ते निषानी होगी. बाक्यके सब शुद्ध स्वर है.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	नि धु पु मु ग गु मृ प	धु धु पु १ १ स
मन्द्र		

मा . नि . तुं ह र सो ड र रे . तुं
३ २ १ २ ३

तार		सु रि रि सु
मध्य	ग मृ ङ नि धु	धु धु पु धु नि
मन्द्र		

फ्या र हा नि ड र रे . . .
२ १ २

तार		
मध्य	नि धु पु मु पु ५	म म म म म म ग
मन्द्र		

. गा फि ल म त रे वे
३ २ १

तार		
मध्य	गु गु गु मु पु धु धु धु धु पु धु पु मु	
मन्द्र		

त स वे . रा म न में रा ख फि क र
२ ३ २ १

तार		स	१ रि सु रि
मध्य	प १ १ प धु धु नि	नि	
मन्द्र			

रे . . जो फ छु क रे वे ग त .
२ ३ २ १

तार	रि	सु. ४	सु सु
मध्य	नि	पु पु	नि धु धु
मन्द्र			

फ र ले
२

शि र प र का ल ज
३ २

तार	सु ५	
मध्य	धु धु पु पु धु नि	नि
मन्द्र		

य र रे . . .
१ २

यह अंतरे उपरके भजनके अंतरेके माफक गाना.

खाल गोरे तनपर भूला तन जायेगा जररे ।

यमके दूत पकरकर घीमे काटे बहुत कसररे ॥

तुज धूल भभू पद नाना चढ भजसागरसे तररे ।

हर भज हर भज हर भज प्राणि हरिका भजन नू कररे ॥

नजर ४१

राग परज संपूर्ण.

इसमें रिपम, धैवत अतिक्रम मध्यम दा गुद्ध और तीव्रतर तीन
तर म के वास्त अनशानी होगी धारीके सब गुद्ध स्वर है

ताल धमार

तार	सु
मध्य	नि ध पु पु . ५ नि धु . प ग म ग ५ . ५
मन्द्र	

ला ल गु ला ल जि . न डा . रो .
 १ २ ३ २

तार	स रि रि
मध्य	रि ग म ध नि नि
मन्द्र	नि नि

व र जो रि न क रो र धु न .
 १ २ ३ २

तार	सु I	रि स रि स
मध्य	नि धु . ५ ध	नि
मन्द्र		

. . द न छो . डो जि हा .
 १ २

तार	स
मध्य	नि ऽ म ध नि ध ऽ म धु . ५
मन्द्र	

त ह मा . रो . . .
३ २

तार	
मध्य	स ग ऽ म प पु . ५ म ध नि नि . नि ध
मन्द्र	

अ क गं रो न मु र क जा . य र
१ २ ३ २

तार	स	स
मध्य	नि . ५	ध नि ध प मृ गु ऽ म ध
मन्द्र		

इ या छ . ट जा . य क च
१ २ ३

तार	स	रि ग ग रि ऽ म
मध्य	नि . ध नि . ५	नि
मन्द्र		

वा रो
२

रा म स खे धा रे
१ २

तार	ग रि ऽ रि स रि सू .
मध्य	नि नि धु . ५
मन्द्र	

पे . या प र त मँ रो
३ २

तार	रि स रि स
मध्य	ध नि नि धु ऽ मु ऽ मु
मन्द्र	

धु ग ट प ट न उ
१ २ ३

तार	सु.	
मध्य	ध नि ध	नि ऽ म धु. ५
मन्द्र		

धा . रो
२

नंबर ४७.

राग विभाम ओढव.

इसमें निराद और मध्यम वर्ण, रिपम और धैवत अनिकोमठ
बानीने सब शुद्ध स्वर है
नाल सुरफाकता.

तार		
मध्य	गु रि स स . १ स रि सु स	स
मन्द्र		धु. ५

गा य न थो धा . . गु रु फं
१ ३ २ २ ३ १

तार		
मध्य	रि ग प प धु पु ग रि स . १	स ग प
मन्द्र		

जा गव्यो . . . रे सा ध ले
३ २ २ ३ १ ३

तार		सु
मध्य	रि ग प प धु . ५	ध पु ग रि स स
मन्द्र		

हो . . त म तौ ग जा मे . य र
२ २ ३ १ ३ २ २ ३

तार		सु सु रि स . १
मध्य	सु . ५	ग ग प ध
मन्द्र		

त १ र स्वति मू मी र न
३ ७ २ ३

तार	स स स रि रि स	
मध्य	प ध	ध पु . ५ ग ग
मन्द्र		

जे . गू नी क री या . . त त य
१ ३ २ २ ३ १

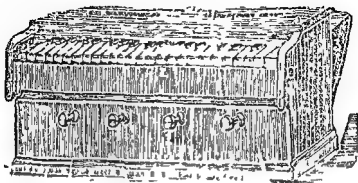
तार	स रि उ	
मध्य	प ग प प प ध ध . १	ध ७
मन्द्र		

ह व ज त अं ग के रं ग के . .
३ २ २ ३ १ ३ २

तार		
मध्य	ग रि स सु . ५	
मन्द्र		

. . खे त
२ ३

विज्ञापन.



गांधर्व महा विद्यालय म्युसिकल इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लायिंग कं० के कारखाने में हारमोनियम, तंबोरा (वीणा), मध्यमादि वीणा (सतार), तबला, मृदंग, तंबोरा बॉक्स, दिलरुबे, ताउस, फोडील, सारंगी, सरोद, जलतरंग, ये सब वाद्य तयार होते हैं.

नंबर.	किंमत हारमोनियम.	रुपये.
१. सिंगल हारमोनियम हातवाला	३५—७५
२. डबल ,,	५०—१००
३. डबल कन्सर्टलटयूनका	१७५—२२५
४. ट्रीबल ,,	२५०—३५०
५. डबलरीड हारमोनियम हात और पैरवाला		१५०—३००
६. ,, पैरवाला ,, कन्सर्टरीयलटयूनका	२७५—३५०
७. ट्रीबल पैरवाला हारमोनियम	३५०—५००
तंबोरा, सतार, दिलरुबा इत्यादि ..		३०—१५०
तंबोरा बासम्		१५—६०

मनेजर् — गांधर्व महा विद्यालय म्यु. इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लायिंग कं०

गेडवर्स्ट रोड, - बम्बई

संगीत शिक्षणकी क्रमिक पुस्तके.

इस विद्यालये में पं० विष्णु दिगंबरजीने संगीत विधापर
आज तक जो किताब तयार किई उनके नाम और र्निमत,

	भाग	रु	आ	
महिला संगीत हिंदी.	१	०	२	१
महिला संगीत हिंदी	२	०	४	१
संगीत तत्त्वदर्शक	१	०	८	०
भक्ति अलंकार	१	०	८	०
हारमोनियमप्रकाश हिंदी और उर्दू	१३	०	४	०
संगीत बालबोध हिंदी और उर्दू	१	१	८	०
" " द्वितीय भाग	२	१	०	०
स्वरपालाप गायन	१४	५	८	०
राग प्रवेश	११३	११	॥	०
व्यायामके साथ संगीत	१२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी		२	०	०
" " द्वितीय		३	०	०
राग भरव		२	॥	०
राग माहकम		२	०	०
राग भूपाली		२	०	०
मृदंग और तबलेकी पुस्तक		१	०	
सतारकी पुस्तक	१२	३	८	
नारदीय गिम्हा भाषा टीका समेत		१	०	
भजनामृत रहरी	१५	२	८	
राम नामावली		०	२	

इसके सिवाय श्रीयुत सुकथनकर कृत पद्यावलिवा मिलेंगी

मनेजर

॥ धीमहि इति प्रथमः ॥

संगीत बालबोध

प्रथमः

(तारमोनियम प्रकाशः)

ॐ द्वितीय भागः ॐ

संपादन, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पन्तुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इण्डियन म्युसिक, मिनिमॉन्स,


सांख्य महा विद्यालय—पुनर्द्व द्वारा रचित


सन १९०१.

इस पुस्तक में संगीत के अनेक विषयों का वर्णन है
जिनमें से कुछ निम्नलिखित हैं

शृंगार [प्रती १०००] [मुद्रक १९०१]

"सांख्य महा विद्यालय" में, गीतकारों के द्वारा रचित



 हमारे यहां के लेखनपद्धति (नॉटेशन सिस्टम्) को
समझने के लिये संगीत तत्त्वदर्शक को पढ़ना चाहिये.



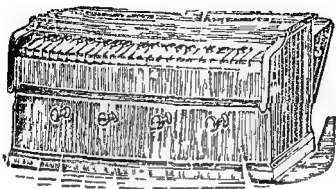
प्रस्तावना.

इस संगीत याल्बोथ द्वितीय भाग में प्रातः काल से ले कर सायंकाल तक जो प्रसिद्ध २ राग हैं वह प्रकाशित किये गये हैं। इस पुस्तक को पढ़ने में तथा इन में लिखे हुये गायनों को और सा, री, ग, म, को याद करने में दिन के रागों का उत्तम प्रकार का ज्ञान हो सकेगा इस लिये प्रेमीयों से कथन है कि वह उक्त बातों पर ध्यान देकर इस पुस्तक से लाभ उठावेंगे.

भवदीय,

विष्णु दिगंबर पलुस्कर,

विज्ञापन.



गार्थर्व महा विद्यालय म्युजिकल इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लायिंग कं० के
 कारखाने में हारमोनियम, तंबोरा (धीणा), मध्यमादि
 धीणा (सतार), तबला, मृदंग, तंबोरा बॉक्स, दिलरवा,
 ताउस, फीडील, सारंगी, सरोद, जलतरंग,
 ये सब वाद्य तयार होते हैं

नंबर.	किंमत हारमोनियम.	रुपये.
१ सिंगल हारमोनियम हातवाग		३५—७५
२ टबल		५०—१००
३ डबल कक्षरल्यूना		१०५—२२५
४ टीबल		२५०—३५०
५ डबलरीड हारमोनियम हात और पेरवाला		१५०—३००
६ ” पेरवाला , कक्षरीयल्यूना		२७५—३५०
७ ट्रिपल पेरवाग हारमोनियम		३५०—५००
तबारा, सतार, दिलरवा इत्यादि		३०—१५०
तंबोरा बाक्स		१५—६०

मैनेजर — गार्थर्व महा विद्यालय म्यु इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लायिंग कं०

अनुक्रमणिका.

राग.	चिजो के नाम.	ताल.	पृष्ठांका.
भैरव संपूर्ण.	प्रथम आदनाद	विलंबीत चारताल.	१
"	जागो त्रिजराज	द्रुत चारताल.	१२
"	आज नंदलाल	झपताल.	१९
"	प्यारे मैरो	तीनताल	२५
"	आज मिल सब	धमार.	२७
तोड़ी.	काकरिया जिन	तीनताल.	३०
"	तराना-नादईतों	द्रुत चारताल.	३२
"	दुर्गे आदभवानी	झपताल.	३५
आसावरा.	कौन रिझावन	तीनताल.	३७
"	सखेरी जा दीन	धमार.	४०
विलावल.	प्रवलही शाम	झपताल.	४३
"	चारुशाले त्रिये	"	४६
"	तुंहि आदनाद	चारताल.	४८
सिंदोरा संपूर्ण.	आवत है ब्रोज	धमार.	५२
सुवासुधराई.	बल्मारै चूनरिया	तीनताल.	५४
"	तराना दीईमनादेरे	"	५८
भैरवी संपूर्ण.	सारेगम	"	६१
भैरवी छायाला०	सुंदर सरूप जाके	द्रुत चारताल.	६४
छा० भैरवा संपूर्ण	धन्य दीन	तेपरा.	६७
सारंग ओटव	मधुमदन मन	झपताल.	७१
गौड चारंग	तराना-ननातनों	द्रुत चारताल.	७४
भीमपलासी	साडे नाल बामना	तानताल.	७६
"	ये सखी नंदपुंजर	चारताल	७९
मुलतानी	बाजत बघाई	तीनताल.	८६
मिल गंशंग	बानानें ऐसारे	"	९०
बापी संपूर्ण	सारेगम	"	९२
गौड महार	आइ बदरिया	"	९५
मालव, पांडव	सारेगम	"	९७
पूरी	दरीये मै कां	"	९९
धीराग	गौरी अरधंग	"	१०२
धंकरा कल्याण	आद महादेव	मुरषाचना.	१०४-१०८
		शुमरा.	

श्रीगुरु दत्त प्रमथ
राग भैरव संपूर्ण.

इस राग में ऋषभ, धैरव अतिशय, बाँसी के सब छुद स्वर.

ताल विलंबित चारताल

तार		
मध्य	ग म म प - ५ ४	धे धे प म प म ग. ४
मन्द्र		

प्र ध म

०

०

धा .

१

३

द

०

१

तार		
मध्य	ग म रि . ग प म . ४	म धु ग . म रि . १
मन्द्र		

मा

०

. द

०

प्र

१

३

०

तार	
मध्य	सु . ५५ रि रि स सु .
मन्द्र	नि धूँ धूँ . ५ धूँ
	ह ३ जो २ जा . २ सो १

तार	
मध्य	सु . सु . सु . ५५ रि ग ग प . ५५
मन्द्र	नि
	यो . . है ३ स व हि . २ २

तार	
मध्य	सु गु मु . रि स सु ५ गु म म
मन्द्र	नि
	यी . . स्ता र . . प्र . थ १ ३ २ ३ २

तार		स सु. ५ सुस	
मध्य	प. ५५	म ध नि	नि
मन्द्र			

म २ ज र प व न सा ण पा
२ १ ३ २ ३ २

तार	स सु. ५, स	स. ५५
मध्य		नि धु. नि धु.
मन्द्र		

२ नि १ र ३ २ प्रो

तार	रि स सु.	
मध्य	नि ध धं पु. ५, म प धं धं	
मन्द्र		

मा पा . . मा . ५ गृ णं र
१ २ ३ १ ३ २

तार	सु	
मध्य	धूँ . ५ धूँ धूँ पु . ५	गसधुगु . सु
मन्द्र		

. चो फ . र ता
 ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	रि . I स सु ५	गममप . ५ ५
मन्द्र	नि	

. र . . प्र . थ म
 २ ३ २ २

तार	
मध्य	धूँ धूँ पु म पु म गु . ५ गु मुरि . गु पु
मन्द्र	

वा . . . द . ना
 १ ३ २

तार	.
मध्य	मु . ५ ल धु गु . मु रि . १ सु . ५ ५
मन्द्र	
	द धं . . ल
	३ २

तार	
मध्य	रि रि सु सु . ल .
मन्द्र	नि धुँ धुँ . ५ धुँ
	जो . जा . . सो . म यो
	२ १

तार	
मध्य	सु . सु . ५ ५ रि गु गु ण . ५ ५ ल
मन्द्र	नि
	३ . ६ म य दि १५
	३ २ ३

तार	सु	
मध्य	धुँ०५ धुँ धुँ पु०५	ग स धु गु० मु
मन्द्र		

३ जो फ . र ता
२ २ १ ३

तार		
मध्य	रि० I स सु०५	ग स स प०५५
मन्द्र	नि	

. र . . प्र . थ म
२ ३ २ २

तार	
मध्य	धुँ धुँ पु म पु म गु०५ गु म रि० गु पु
मन्द्र	

आ . . . द . ना
१ ३ २

तार

मध्य सु . ५ न धु गु . मु रि : १ सु . ५ ५

मन्द्र

१ धं . . . २ त

तार

मध्य रि रि सु सु . सु .

मन्द्र

नि धुँ धुँ . ५ धुँ

जं . जा . . मो . म यो

तार

मध्य सु . सु . ५ ५ रि गु गु ष . ५ ५ सु

मन्द्र

नि

१ . २ ३ म ष दि १ ३

तार	
मध्य	गु सु . रि सु सु ५ गु म म पु . ५ ५
मन्द्र	नि

स्ता र
२

प्र थ म
२

तार	सु सु . ५ सु सु सु सु . ५
मध्य	म ध नि नि
मन्द्र	

शब्द प व न
१ ३ २

आ श्र पा नि
३ २ २

तार	सु सु . ५ सु सु सु सु . ५
मध्य	म ध नि नि
मन्द्र	

शब्द प व न
१ ३

आ श्र पा नि
२

तार	सु .	सु . ५५ रि सु	
मध्य	नि धु . नि धु .		नि
मन्द्र			

ध ३ . . . प्री १ मा या २

तार	सु .	
मध्य	धूँ धूँ पु . ५	स प ध ध ध
मन्द्र		

मा १ गृ ही २ ३

तार	सु	
मध्य	धु धु पु . ५ गु मृ धु गु . सु रि . ९ सु	
मन्द्र		

नी क . ४ मा र
२ ३ २

तार		
मध्य	सु ५ गु मृ मृ पु . ५ ५	ग म म
मन्द्र	नि	

प्र २ य ५

प्र . थ
२

तार		
मध्य	पु . ५ ५	ध ध प म प म ग . ५ गु म
मन्द्र		

म

आ
१

ट .
३

ना

तार		
मध्य	रि . गु प म . ५ म ध गु . म रि . १	
मन्द्र		

द

व .
२

तार	.
मध्य	सु. ॐ ॐ रि रि सु सु.
मन्त्र	नि ध ध ॐ ध
	ल ३ जो . जा . सो भ २

तार	
मध्य	सु. सु. सु. ॐ ॐ रि गु गु पु. ॐ ॐ
मन्त्र	नि
	यो . . हं म य दि . २

तार	
मध्य	सु गु सु. रि सु. ५ सु गु सु. रि सु. ५
मन्त्र	
	वि . . स्ता र वि . . स्ता र १ ३ २ ३ २

तार		स सु . ५
मध्य	गु मु मृ पु . ५५	म ध नि
मन्द्र		

प्र . ध म
२

श ष्ठ प घ न
१ ३ २

तार	सु सु स सु . ५	सु सु . ५
मध्य	नि	म ध नि
मन्द्र		

आ झ पा . नि
३ २ २

श ष्ठ प घ न
१

तार	सु सु सु सु . ५सु	
मध्य	नि	नि ध . नि ध .
मन्द्र		

आ झ पा नि ध र . .
३ २

तार	सु . ऋ ऋ रि सु सु .
मध्य	नि धूँ धूँ प . ऋ
मन्द्र	
श्री मा या . मा . र	

तार	सु	
मध्य	सु पु ध ध ध . ऋ ध ध प . ऋ गु	
मन्द्र		
ख छी र . . धी क . र ता		
२ २ १		

तार	
मध्य	सु धु गु . मु रि . इ सु सु ४ गु सु धु
मन्द्र	नि
. . . . र . ता .	
३ २ ३ २	

तार		सु सु
मध्य	गु मु मृ पु . ५५	म धृ नि
मन्द्र		

प्र . ध म
२

शब्द प व न
१ ३ २

तार	सु सु सु सु . ५	सु सु
मध्य	नि	म धृ नि
मन्द्र		

आ अ णा . नि
३ २ २

शब्द प व न
१

तार	सु सु सु सु . ऋ सु	
मध्य	नि	नि धृ . नि
मन्द्र		

आ अ णा नि ध र .
३ २ १

तार	१	
मध्य	गु मृ पु गु मृ रि गु मृ मृ पु .	गु गु म
मन्द्र		

के . दु ला . रे . . . ज मु ना
२ ३ २ २ १ ३

तार	सु ससु	सु रि सु
मध्य	ध नि नि	नि नि
मन्द्र		

मै गै द डा र ग्या ल धा ल हां
२ ३ २ २ १ ३ २ ३

तार	सु	सु रि सु
मध्य	ध ध पु म	प ध नि नि
मन्द्र		

. रे . . का . लि . . दु मु
२ २ १ ३ . २ ३

तार		
मध्य	धु धु नि धु धु पु	मु धु पु धु मु पु गु
मन्द्र		
का . र दे . त शा म ही ण क का ३ २ २ १ ३ २ ३		

तार		
मध्य	मु रि गु मु मु पु ५	मु . गु रि सु सु
मन्द्र		
. . रे . . जा . गो वि ज २ २ १ ३ २		

तार		
मध्य	रि सु सु सु सु	मु . गु रि सु सु रि सु
मन्द्र		
रा ज कुं च र जा . गो वि ज रा ज ३ २ २ १ ३ २		

तार	
मध्य	सु सु सु सु रि गु मु पु गु मु रि गु सु
मन्द्र	

क ध र नं द के . डु ला . . रे .
* ३ २ २

तार	
मध्य	मु पु ५ ॥ मृ . गु रि सु सु रि सु सु सु
मन्द्र	

. . जा . गो ग्रि ज रा ज कुं घ
१ १ २ ३ २ २

तार		सु सु सु
मध्य	सु गु गु म ध नि नि	
मन्द्र		

र ज सु ना में में . द डा र
१ ३ २ ३ २ २

तार	सु	सु सु	सु रि
मध्य	गु गु मृ धु नि	नि	नि
मन्द्र			

ज मु ना मँ गें . द डा र ग्या ल या
१ ३ २ ३

तार	सु	सु	सु रि
मध्य	नि	धु धु पु मु	पु धु नि
मन्द्र			

ल हा . रे . . . का . ली . .
२ १

तार	सु
मध्य	नि धु धु नि धु धु पु मु धु पु धु मु पु गु
मन्द्र	

धु भु का . र रे . त शा . म दि ए क का
३ २ १

तार		
मध्य	मु रि गु मु मु पु ५	मु . गु रि सु सु रि
मन्द्र		

रे . जा . गो वृ ज रा
२ १ ३ २ ३

तार		सु सु
मध्य	सु सु सु सु	गु गु म धु नि नि
मन्द्र		

ज वृ ष र ज मु ना में में द डा
२ २ १ ३ २ ३ २ २

तार	सु	सु सु सु
मध्य	गु गु मु धु नि नि नि	
मन्द्र		

र ज मु ना में में द डा र ग्या
१ ३

तार	सु रि सु सु सु सु
मध्य	नि धु धु पु मु पु धु नि
मन्द्र	
ल वा ल हा रे का . ली	
२ ३	

तार	रि सु
मध्य	नि धु धु नि धु धु पु मु धु पु धु मु
मन्द्र	
धु भु फा र दे त शा . न दि ए	
२ ३	

तार	
मध्य	पु गु मु रि गु मु मु पु ५
मन्द्र	
प पा रे .	

राग भैरव.

ताल झपताल

तार		
मध्य	स रु ग म प प ग म	प प ध नि
मन्द्र	नि	

आ ज नं द ला ल म रि प्रे म मा द
३ २ ३ ७ १ २ ३

तार	स रि सु सु	
मध्य		नि ध प ग म म प पु १
मन्द्र		

फ रि ये स ग ल ल ना लि रे
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	ग म नि ध प ग म रि रि स	ग म म
मन्द्र		

ज म न ति य रे च र न फो लि

तार	<u>स</u> <u>स</u> <u>स</u> <u>स</u>	<u>स</u> <u>स</u>
मध्य	<u>ध</u> <u>ध</u> <u>नि</u>	<u>धँ</u> <u>धँ</u> <u>नि</u>
मन्द्र		

के स र क म ल मा ल ती .
 ३ २ १ २

तार	<u>रि</u> <u>रि</u> <u>स</u> <u>स</u>	
मध्य	<u>धँ</u>	<u>ध</u> <u>ध</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>प</u> <u>ध</u>
मन्द्र		

स ध न य न मा द सु गं ध
 ३ २ १ २ ३ २

तार	<u>स</u>	<u>रि</u> <u>स</u> <u>स</u>
मध्य	<u>नि</u>	<u>धँ</u> <u>धँ</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>रि</u> <u>रि</u> <u>स</u>
मन्द्र		

सी . त ल स मी . रे . य र न
 १ २ ३ २

तार		
मध्य	प प प ग म प प ध ध प	प प प ध ध
मन्द्र		
मे . घ ञो प फ व र न कृ ण र स १ २ ३ २ १ २		

तार	स	
मध्य	नि ध ध प	प ध ध प प ग म म
मन्द्र		
मा ते . रा . ग णो . च म सो ३ २ १ २ २		

तार		
मध्य	प प	ग म नि ध ध ग ग ग रि स
मन्द्र		
हे कृ टि ल ह ल का . न १ २ ३ २		

तार	स	स	स
मध्य	मु	स	ध ध नि नि ध ध नि
मन्द्र			

ए क मु य जो . र स की ध र र
१ २ ३ २ १ २

तार	स रि रि स स	
मध्य	ध	पु प ग म पु ध नि
मन्द्र		

हि . ध्या न स व आ प नो . लाल चि
३ २ १ २ ३ २

तार	स	
मध्य	ध ध प म ग म म रि स	
मन्द्र		

त चो र पा ये व ने .
१ २ ३ २

तार	सु
मध्य	सु सु गु मु पु गु मु पु ध नि
मन्द्र	नि

धा . ज नं द ला ल स री प्रे म मा द क
१ २ ३ २

तार	रि सु	सु
मध्य		नि ध पु गु मु मु पु पु गु
मन्द्र		

पि ये सं ग ल ल ना . लि ये . ज
१ २ ३

तार		
मध्य	मु नि ध पु गु मु रि रि सु	गु मु मु ध
मन्द्र		

म न ति य रे . व र न फ . लि के
२ १

तार	सु सु सु सु . सु सु रि रि
मध्य	धु नि धु धु नि
मन्द्र	

स र क म ल मा . ल ती . स ध
२ ३ २

तार	सु सु	सु
मध्य	धु धु पु गु म पु पु धु नि	
मन्द्र		

न ध न मं . द सु गं . ध सी .
१ २

तार	रि सु सु	
मध्य	धु धु गु म रि रि सु	
मन्द्र		

त ल स मी . रे . ध र न

राग भैरव.
तीनताल.

तार	
मध्य	१ गु म म रि स सु सु रि रि सु सु
मन्द्र	नि

प्या रे मे को ला ग ली अ लि मो री
१ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स सु सु सु रि रि सु गु म
मन्द्र	धु धु धु नि

अ य हि ने क प ल ग ह प क नि सा
१ २ ३ २

तार		स
मध्य	प प ध	नि ध ध प प ग म प ध प
मन्द्र		

सा रि ज गी ज गा इ तु नि अ य न ज गा
१ २ ३ ३

तार		
मध्य	धु धु पु मु पु	१ गु मु मु रि स गु मु पु
मन्द्र		

चो प्या . रे मै को अ य न

१

२

३

तार		
मध्य	धु पु धु धु पु मु पु	१ मु मु मु पु धु धु
मन्द्र		

ज गा यो सो य न दे मो हे

२

१

२

तार	सु सु सु सु सु सु	स
मध्य	धु नि	धु धु धु
मन्द्र		

आ नं द भु व न ग रे ला गों गी तो

३

२

१

२

तार	सु	सु	सु	स
मध्य	नि	ध नि	ध प ध	नि
मन्द्र				

रे छ ति यां म र न दा य तू जि
३ २ १

तार	
मध्य	ध ध प ग म प ध प ध ध प म प . ५
मन्द्र	

न जा या अ य न ज गा या . . .
२ ३ ७

राग भैरव.

ताल धमार.

तार	
मध्य	ध ध प प प प ध प ग म म . ५५
मन्द्र	

भा ज मिल स य गा न गा . यो

तार	
मध्य	<u>ध</u> . <u>धु</u> <u>ध</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>म</u> <u>मृ</u> <u>रि</u> <u>गु</u> <u>मृ</u> <u>प</u> <u>म</u> <u>रि</u> <u>स</u>
मन्द्र	

उ स प्र मु . के . ध . न्य वा द
१ २ ३ २

तार	
मध्य	<u>स</u> <u>स</u> <u>स</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>म</u>
मन्द्र	<u>ध</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>नि</u>

जि स का य श नि त्य गा . ते हं ग .
१ २ ३ २

तार	<u>स</u>
मध्य	<u>धुँ</u> <u>ध</u> <u>नि</u> <u>नि</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>म</u>
मन्द्र	

ध र्व मु . नी ग ण ध न्य वा . द

तार	स	सु सु	
मध्य	सु सु ध्रु ध्रु नि	नि	ध ध ध
मन्द्र			

मं द तो मं क
१ २ ३

द तो मं
२

प र य
१

तार	स सु रि रि सु	
मध्य	नि	ध्रु पु ध्रु प ग सु
मन्द्र		

तो . के लि य र प र दे ते हैं .
२ ३ २ १

तार	रि सु	
मध्य	स प ध्रु ध्रु	ध्रु नि ध्रु ध्रु स स ग
मन्द्र		

ल गा ता र सौ सो या र मु नि य र य
२ ३ २ १ २

तार	
मध्य	म रि ग म प ण . ५
मन्द्र	

. न्य घा . . ६
३ २

राग तोंडि संपूर्ण.

इस में ऋषभ, गंधार और धैवत अनिकोमल मध्यम तीव्रतर.
निषाद शुद्ध
तीन ताल

तार	
मध्य	धु धु धु ण . मु णु धु धु मु मु गुरु गुरु
मन्द्र	

का क रि या . जि न मा . . . रो मो
१ २ ३ २

तार		
मध्य	रि सु	सु सु ध . प ध धु मु मु गुरि ग
मन्द्र		

१ २ ३ २

१ २ ३ २

तार		सु सु सु गुरि ग
मध्य	रि सु सु	पु मु ध नि
मन्द्र		

१ २ ३

१ २ ३

तार	रि सु रि सु	गुरि रि
मध्य	नि नि ध	नि
मन्द्र		

१ २ १ २

१ २ १ २

तार	सु रि	
मध्य	नि ध नि ध पु पु गु गु	
मन्द्र		

घ र आ : . घे . लं ग र
३ २

राग तोड़ी संपूर्ण.
ताल द्रुत चारताल.

तार		
मध्य	सु ध पु ध नि ध पु गु गु गु गु	धं पु
मन्द्र		

ना ढ ई तो त न न त न दे रे ना त
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	पु पु पु ध पु गु गु I गु मु ध नि ध पु	
मन्द्र		

न न न दे रे ना . य ल लि य ल लि
२ ३ २ २ १ ३ २

तार		सु सु सु
मध्य	रि गुरि रि रि सु सु सु	नि ध.
मन्द्र		

य लि य ल ल ल तो . त न ग तौ
३ २ १ ३ ० ३ २

तार		
मध्य	नि ध पु	गु गु गु गु सु सु ध ध नि नि
मन्द्र		

त न न य ल लि य ल लि य लि य ल
२ १ ३ २ ३ ०

तार	सु सु	सु गुरि सु
मध्य		ध ध नि ध नि ध
मन्द्र		

ल ल त दी दी त न न न न न
० १ ३ २ ३ ० ०

तार		
मध्य	ॐ प नि ध प म ग रिसु ॐ	
मन्द्र		नि नि

दी त न न न न न न धा कि
१ ३ २ ३ २ २ १

तार		
मध्य	रि रि गु गु गु गु गु गु मु मु धु धु	
मन्द्र	नि	

ड त क धु म कि ड त क धे सा कि ड
३ २ ३ २

तार	सु सु सु सु	सु सु सु गुरि रि
मध्य	धु धु	
मन्द्र		

न ग ति र कि ड त क धि ला ग धु
२ १ ३

तार	रि रि सु सु
मध्य	धु धु नि धु धु धु धु प
मन्द्र	

कि ड त क कि ट ता ग दि ग न धा
२ ३ ५ २

राग तोड़ी संपूर्ण.

ताल झपताल.

तार	।
मध्य	ध नि धु . ५ प प ग ग म ध प . ५ ५
मन्द्र	

डु . गं आ . द भ या . नी
२ १ २ ३ २

तार	
मध्य	धु . ५ ध ५ नि ध प म ग रि सु . ५
मन्द्र	

तार		
मध्य	स रि गु म ध . ५५	म ध
मन्द्र	ध ध नि	

तु व पू .
१ २

जे स व
३ २

ज ग
१

तार	स रि	
मध्य	नि नि धु . ५	म ग ग म धु . ५
मन्द्र		

मा .
२

नी .
३

ध सु र सं
१ २

तार	स स स . ५५	स रि
मध्य	नि	ध ध नि नि
मन्द्र		

हा . र नी
३ २

न ध को . ट रा
१ २ ३

तार	स	
मध्य	नि धु . I . ५ ५	पृ गृ गृ म ध नि
मन्द्र		

. नी .
०

की जे द या य .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	धु . ५	ध नि ध म ग रि सु . ५
मन्द्र		

र

या नी
१ २ ३

राग आसावरी संपूर्ण.

इय में आरोह में गंधार और निषाद बर्ज गंधार, धैवत और निषाद
अतिकोमल, बाकी के सब शुद्ध स्वर

तीन ताल

तार		
मध्य	१ धु नि . नि धु प' धु सु	सु पु धु सु पु
मन्द्र		

कौ . न रि झा व न जा ये .
 ३ २ १

तार		
मध्य	गु सु रि गु गु रि रि सु सु सु . ५	
मन्द्र		धु

री अ ल वे . ली ना र व ली
 २ ३ २ १

तार		सु
मध्य	सु सु सु सु . ५ रि मु सु प	नि
मन्द्र	धु धु	

प क झ प क सो ने व र की झ
 २ ३ २

तार	सु ५		स
मध्य		ध ध ध प ध ५ सु .	म पु
मन्द्र			

न कार क रे त
१ २

गा ट घा
३ २

तार	सु सु	स	सु सु
मध्य	नि	म पु	नि ध ध
मन्द्र			

ट स य वा ट गा ट स य रा
१ २ ३

तार	सु सु रि सु सु	गु रि गु रि सु रि
मध्य		ध
मन्द्र		

क त टो क त जि न य र वा . .
२ १ २

तार	स	सु
मध्य	नि धु प पु म पु धु नि	नि
मन्द्र		
व जा उ चु न रिया		
३ ७		

तार	
मध्य	धु धु प पु धु म
मन्द्र	

री प्यारी तू
२

राग आसावरी
ताल धमार

तार	
मध्य	स रि म प धु . ५ धँ धँ धँ धँ प म ५५
मन्द्र	
स ख री जा दी न	

तार		
मध्य	म प धु . ५ ग ग रि स	रि गु . रि ण
मन्द्र		

त्य जे
३

फा गु न
२

आ

तार		
मध्य	रि	स १ . ५ रि म पु धु .
मन्द्र	धु १ . ५ ध ध	

यो
३

वि त को
३ २

आ र .

तार		
मध्य	प ग I रि १ . ५ स १ . ५	ग प
मन्द्र		

मो हा
१ २

वे
३

पु ल
१

तार	सु . सु . I सु . ५५
मध्य	ध्रु . १ . ५ नि
मन्द्र	

फी
२का
३

२

न

तार	सु सु रि सु रि गु I रि सु रि
मध्य	ध्रु ध्रु ध्रु
मन्द्र	

ला
१

.

ज

स

व

.

त्य

ज

के

१

२

३

तार		रि
मध्य	ध्रु ध्रु पृ १ . ५	मु . पृ १ . ५ ध्र नि
मन्द्र		

२

मो
१

ह

न

म

२

३

तार		
मध्य	ध्रु प . १ ध्रु	मृ . गृ रि स १ . ५
मन्द्र		

न ही लु भ्या . . ६
२ १ २ ३

राग बिलावल.

एत म दो निषाद एव शुद्ध जोर दुमरा अतिकोमल, अतिकामल
निषाद के धाम्न निशाना होगी बाकी के सब शुद्ध स्वर
ताल अथताल

तार	रि स	
मध्य	ध्रु ध्रु ध्रु ध्रु प म गृ . ५	रि ग प
मन्द्र		

प्र थ ल ही शा म थ य दु यं
१ २ ३ २ १ ०

तार		
मध्य	सु ग रि स स सु . ५	स स ध ध ध
मन्द्र		

ल ही दे ख ज न
३ २

झ ट ही प ट
१ २

तार	सु . ५	ग ग रि सु
मध्य	नि प ध ङ नि	प
मन्द्र		

झ प ट क रे
३ २

ग ज र चा यो
१ २ ३

तार	सु . ५	सु सु
मध्य	प ध ङ नि	प प ध ङ नि
मन्द्र		

तार	स.१	सु ग ग म ग रि
मध्य		ध नि पु.५
मन्द्र		

को रा य लि यो गि रि ध . र
१ २ ३ २

तार	ससससु.५	रि ग
मध्य	पु ध ग प ध	
मन्द्र		

इं द्र को . मा न छि न मं .
१ २ ३ २ १

तार	रि सु	सु.५
मध्य	प प ध नि	
मन्द्र		

घ टा यो . . .
२ ३ २

इस भजन के जो अंतरे हैं वह ऊपर के अंतरे के माफक गाना

नरहरि रूप धरे वरही सब द्वारो ॥

दास प्रल्हाद पर योन मायो ॥ १ ॥

चक्रही दास द्वारी प्रेम के बस भये ॥

गोपीधर छोर के दुघपायो ॥ २ ॥

राग बिलावल.

ताल झपताल.

तार	सु सु सु	
मध्य	ध नि पु म धु प.	गु रि सु
मन्द्र		

चा रु शी ले . . प्रि ये . चा रु शी
१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	सु १ १	सु ध ध ध ध ध नि ध पु . ५
मन्द्र		

ले सुं च म यि मा . न म नि
३ २ १ २ ३ २

तार	
मध्य	प ध ध नि ध पु मु . ५ प ध ङ नि . ५
मन्द्र	

दा . . नं . प्रि ये
१ २ ३ २

तार	सु सस रि म
मध्य	प प प ध ङ नि नि
मन्द्र	

व द सि य दि कीं चि द पि द त
१ २ ३ २ १ २

तार	ग रि स रिस . १
मध्य	ङ नि प प ध ग
मन्द्र	

रु चि को . मु दी ह र ति द
३ २ १ २

तार	स स सु . ५	स
मध्य	प ध ङ नि	प ध ध नि
मन्द्र		

र ति मि र ग ति धो . . .
३ २ १ २

तार		
मध्य	ध प ग म प ध ङ नि . ५	
मन्द्र		

र . . . मि ये
३ २

राग बिलासल.
ताल चारताल

तार	स स	
मध्य	प ध ङ नि . ५	ध नि प . ५ ध
मन्द्र		

तुं हि . आ द ना . द ध
२ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	ॐ नि ध प म णु . ५	ग म रि . ५ ग
मन्द्र		

ह्य वि . णू
२ २

त
१ ३

दि

तार		
मध्य	स प म ग रि . ५ स रि सु . ५	सु १ . ५
मन्द्र		

म हा .
२ ३ २

दे . व
२

त
१ ३

तार		रि . ५	सु
मध्य	ग प प णु . ५ ध ॐ नि		
मन्द्र			

हि . शु रु
२ ३ २

त हि
२

वे
१

तार	
मध्य	ध नि पु - नि ध प म रि गु . पु धू .
मन्द्र	

३ २ ३ २ २ २

तार		स स सु
मध्य	० नि . ५	ग प ध ० नि धू .
मन्द्र		

१ २ ३ २ ३ ३

तार	स रि स सु . ५	स गु रि ग म गु रि
मध्य		
मन्द्र		

२ २ २ ३ २ ३ २

तार	गु रि स रि सु १ १	
मध्य		ध नि ध प . १ ग
मन्द्र		

. . च . ला क र त
 ३ २ २ १ ३ २

तार		रि स
मध्य	प ध नि ध प . १	ध ६ नि ध
मन्द्र		

ही आ . फ र आ . के
 ३ २ ३ १ ३ ३

तार		
मध्य	नि पु ५ नि ध पु म रि गु ४	
मन्द्र		

. . प ला .
 ३ ३

राग सिंदोरा संपूर्ण.

इस राग में गंधार अतिशयमत्र, निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा
अतिशयमत्र शुद्ध निषाद के त्रिंश निशानी होषी
बाकी के सब शुद्ध स्वर
ताल धमार.

तार	गु . रि सु . १ रि	
मध्य		ध नि . ध प गु . सु
मन्द्र		
	आ व त है	घी ज ना र
	१ २ ३ २	१

तार		
मध्य	पु गु गु रि गु सु १	सु सु सु सु . १ रि
मन्द्र		
	खे ल न को .	श शी व द नी
	२ ३ २	१ २ ३

तार		सु . रि
मध्य	सु पु ध ध	नि ध नि प म प
मन्द्र		

. श्रु ग नै . नी . स ज
 २ १ २ ३ २

तार	सु . य	सु .	स
मध्य	० नि	मु . पु पु	० नि
मन्द्र			

स ज के श री या .
 १ २ ३ २

तार	सु रि	गु . रि सु सु रि
मध्य		नि ध नि प
मन्द्र		

शी र ची र व सं . ती . .
 १ २ ३ २

तार		सु. रि
मध्य	गु. रि सु. १ रि सु पु ध ध	नि
मन्द्र		
	कु ल न गो हे ला . यी धे .	
	१ २ ३ २ १ २	

तार	स
मध्य	ध नि प म प ङ नि
मन्द्र	
	नी . . स ज म ज
	३ २

राग सुवासुधराई.

इस राग में गधार कोमल, धैवत दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल, निपाद दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल अतिकोमल धैवत और शुद्ध निपाद के वास्ते निश्चानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर

तीनताल

तार	स
मध्य	गु मृ धृ ङ नि धु नि षु मृ षु गु मृ रि सु.
मन्द्र	

तार	
मध्य	स नि षु . ५ नि नि षु मृ षु मृ रि सु
मन्द्र	

य ल्मा रे धू . न री या . मै .
 १ २ ३ २

तार			
मध्य	रि . ५	गु . रि सु रि . सु	१ . ५ १
मन्द्र			

के ला ल रं गा दे
 १ २ ३ २ १

तार		
मध्य	सु रि मु मु पु पु पु पु . ५	मु पु
मन्द्र	० नि	
जै सि तो . रो प गिया वै सो मो . २ ३ २ १		

तार		
मध्य	नि नि मु पु नि नि पु मु पु मु रि सु सु . ५	
मन्द्र		
रो . रे . चू . न रिया . मै . के २ ३ २		

तार		
मध्य	गु . रि सु रि . स	० मु मु मु पु ५ ध
मन्द्र		
ला ल रं गा दे र ग रं गे ली १ २ ३ २ १ २		

तार	सु सु सु सु सु सु . ५	म
मध्य	० नि ० नि	
मन्द्र		

भा र च ट फे ली मा इ भी
३ ० १

तार	मृ रिसु सु सु	
मध्य	० नि नि ष . मु ष मृ रिसु	
मन्द्र		

. र मं गा ढं चू . न रि म .
२ ३ २

तार		
मध्य	रि . ४ / गृ . रि सु रि . नृ . ४	
मन्द्र		

व सा ग हं गा ढं
१ २ ३ ०

राग सुवासुधराई.

तीनताल

तार	
मध्य	सु नि प प ध ध म प ग ग ग म प
मन्द्र	

दी ई त ना दे रे दा नि त न दे रे .
 १ २ ३ २ १

तार	
मध्य	गु I ५ ५ रि सु रि म सु रि सु १
मन्द्र	० नि .

ना त दि य ना रे ता
 २ ३ २ १ २ ३ २

तार	
मध्य	सु ५ ग गु म स रि रि स रि
मन्द्र	० नि

तार			
मध्य	सु	सु	सु. १
मन्द्र		नि ५ ध ५ ध म प	

म त वे नो दे रे ना
१ २ ३ २

तार		सु. सु म सु
मध्य	१ गु म सु ५ ध ङ नि	
मन्द्र		

य ल लि य ली या ल ला ले
१ २ ३ २

तार	सु सु सु गु गु म सु सु	रि
मध्य	१ नि	५ नि
मन्द्र		

य ल लि य ली या . ल ला ले
१ २ ३ २

तार	सु	सु	सु
-----	----	----	----

मध्य		नि	नि	पु	नि	पु	पु	मु	पु	मु
------	--	----	----	----	----	----	----	----	----	----

मन्द्र	
--------	--

या . आ ल ला ले . या . आ ल
१ २ ३

तार		रि
-----	--	----

मध्य	स म	ग म प ग रि स . ५ सु सु
------	-----	------------------------

मन्द्र	
--------	--

ला ले य ल ल म य ला य ला .
२ १ २ ३ २

तार	रि	गु	सु	सु	सु	सु	सु
-----	----	----	----	----	----	----	----

मध्य		नि	गु	गु
------	--	----	----	----

मन्द्र	
--------	--

दी भ त ना दे रे दा . नी त न
१ २ ३ २

राग भैरवी संपूर्ण.

इस में कृपभ, गंधार, धैवत, निषाद, अतिक्रमल, मध्यम शुद्ध.
तीनताल

तार		स रि
मध्य	नि नि धु धु पु पु गु गु धु . नि	
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	सु	स
मध्य	नि नि धु धु पु पु गु गु धु . नि	
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	स ग स म गु १ सु	
मध्य	धु नि	नि धु पु
मन्द्र		

३ २ १ २

तार		ग	रि	ग	रि
मध्य	म	ग	ग	म	ग रि रि सु ५
मन्द्र					

३

२

१

२

तार	रि	रि		ग
मध्य	नि	नि	धु धु पु पु ग	म ग म
मन्द्र				

३

२

१

२

तार	म	ग	म	पु	म	ग	रि	सु	रि	रि	सु	रि	सु
मध्य													
मन्द्र													

३

२

१

२

तार	स	सु	
मध्य	गु म गु म धु नि	नि नि धु म	
मन्द्र			
	३	२	१ २

तार	सु सु	
मध्य	धु नि नि नि नि धु धु	धु पु पु
मन्द्र		
	३ २	१

तार		
मध्य	पु म म म गु म गु रि रि सु १	सु
मन्द्र		नि
	२ ३ २	१

तार	सु सु ग म
मध्य	ग म प ग म ध नि नि
मन्द्र	

२ ३ २

तार	प म ग रि स रि सु	
मध्य		
मन्द्र		

१

२

भैरवी छायालगत्व.

इस राग में ऋषभ दो एक शुद्ध और दुसरा आतेकोमल गंधार, धैरत और निषाद अतेकोमल शुद्ध ऋषभ के वास्ते निगानी हागी

इत चारताल

तार	
मध्य	मृ पु धु पु मु ऋ रि गु मृ रि रि गु रि सु
मन्द्र	

सुं . . . द र स य . प जा के
 १ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	सु सु रि सु ५ ५ सु
मन्द्र	धु धु म धु नि

सुं . द र सीं धा र की नो सुं
 १ ३ २ ३ २ २ १

तार	
मध्य	सु सु धु प पु धु पु गु मृ नृ पु धु नि धु
मन्द्र	

द र . न वे . ली जो . पी या . की प्रा
 ३ २ ३ २ २ १ २

तार		
मध्य	पु मृ गु मु पु मृ गु स	धु धु मृ धु नि
मन्द्र		

२ न ३ प्या २ री २ पू ३ ज २ ती

तार	सु सु सु सु	५ ५ सु सु सु
मध्य	नि	धु धु
मन्द्र		

३ म २ हा २ दे २ व १ सी ३ ला २ पा २ र

तार	रि रि रि सु	
मध्य	धु धु धु पु	पु पु पु पु पु
मन्द्र		

३ सु २ २ ची २ मा २ न १ र ३ ह २ स २ र २ ह

तार		
मध्य	प० ध० नि० ध० प० ग० म० म०	प० ध० नि० ध० प०
मन्द्र		
स गा . . . घ त दा . ड फ . ३ २ २ १ ३ २		

तार		
मध्य	म० ग० म० प० म० ग० स०	
मन्द्र		
र ता . . र . ३ २ २		

राग छायालगत्य मैरथी संपूर्ण.
ताल तेवरा

तार		
मध्य	स० ध० प० प० प० प०	घ० नि० ध० म० धु० पु० म०
मन्द्र		

घ . न्यदीन द या . ल त् . .
१ ३ ३ ३ १ ३ ३

तार		सु	
मध्य	ग म	प ध	नि ध प म ग
मन्द्र			

प्र भु ध . न्य . तू . ज ग दी
२ १ ३ २ २ १

तार		
मध्य	ॠ रि सु ॠ रि ग म प . १	पृ पृ पृ
मन्द्र		

. श्व रा . . . ध न्य य
३ २ २ १ ३ २

तार		सु
मध्य	प . १ ध नि धु पु ग म . १	प ध
मन्द्र		

ह रु पा द्वे . ते री ध . न्य
२ १ ३ २ २ . .

तार		
मध्य	नि ध पु स ग म	गुरि स० रि सु . १०
मन्द्र		

तू . . प र मे . . श्व रा
२ ७ १ ३ २ २

तार		सु स सु स	सु स
मध्य	ध्र म ध्र नि		नि
मन्द्र			

ध न्य द या दी न प र वा ता तू
१३ २ २ १३ २ २ १३

तार	सु रि	रि रि रि सु
मध्य		नि धु ध प . १ पु प
मन्द्र		

दी सं सा . . र दा . . ध न्य
२ २ १ ३ २ २ १३

तार		सु
मध्य	प प प . १ नि धु ध प गु म्	प ध नि ध
मन्द्र		
	क रु णा लि धु स्वा मी जो की . से	
	२ २ १ ३ २ २ १ ३	२

तार		
मध्य	प म म गु म् धु प म गु रि सु	सु १
मन्द्र		नि
	. न घी शा . र दा	
	२ १ ३ २	२

इस भजन के जा अतरे है यह ऊपर के अतरे के माफक गाना
 धन्य महिमा अक्य तेरी अंत कोई न पावदा ॥
 द्वार के पीछे रह जाव कथननू जो धावदा ॥ १ ॥
 जीव सय संसार दे गिनती न आसी जावदी ॥
 अन्न पाणि दान करदा होर सय मन भावदी ॥ २ ॥
 तेरी महिमा तूदी जाने होर तैं यदियाइया ॥
 क्षुद्र जंतु आखे खोइ मन विखे जो आइया ॥ ३ ॥

भौरी बाट पहाड दी क्यों चढ सके है पपीलिका ॥
 अंधा चाहे चंद्र बेखों मुशक गज डीलका ॥ ४ ॥
 भोक बैल न बन सके पिंगल उलंघे मेरु क्यों ॥
 मूका घत्ता होवे नहीं रागी क्यों कर गुंग हो ॥ ५ ॥
 होय कायर चेत मागे रचे ग्रंथ न यात्रला ॥
 कदा क्यों कर गुण मैं तेरे बुद्धी दीन उतात्रला ॥ ६ ॥
 हाथ जोट नपाए मस्नक चरण बंधन कीजिये ॥
 धन्य प्रभु महिमा तेरी जिस रटे सुग भीजिय ॥ ७ ॥
 सयही पून कपून तेरे अंत तैनू लाज है ॥
 नाम धन प्रभु दान कीजे सोई हमरे काज है ॥ ८ ॥

राग सारंग ओढव.

इस में गंधार और धैवत वर्ज, निषाद दो एक शुद्ध और दुमरा अति-
 कोमल, अतिरौमल निषाद के वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब
 शुद्ध स्वर लमते है
 ताल श्रपताल

तार	स स स	
मध्य	नि नि	४ नि प पु म रि रि
मन्द्र		

म धु म द न म न क . रो प्र
 १ २ ३ २ १

तार		
मध्य	म प म रि रिसु .	मममप ५ नि
मन्द्र		

बु . से . तू . म . सा ची क ही ये
 २ ३ २ १ २ ३ २

तार		स रिसु .
मध्य	प प म प नि	५ नि प नि
मन्द्र		

. . को न . नी भा . ये
 १ २ ३ २

तार	सु . ५	सु सु सु
मध्य		म म प ५ नि पु नि
मन्द्र		

. . ज य को . की ला कू क
 १ २ ३ २

तार	स स रि स .
मध्य	नि ५ नि प ५ नि प
मन्द्र	

उ १ डी च ह २ . ओ २ . र

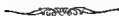
तार	रि रि रि प रि रि सु सु . ५
मध्य	स प नि
मन्द्र	

मी त ल मी . द र स मी
१ २ ३ २ १ २

तार	स रि स . सु . ५
मध्य	५ नि प नि
मन्द्र	

. र मा ३ . ये २ .

राग गौड सारंग.



इस राग में दो मध्यम एक शुद्ध और दुसरा तीव्रतम, तीव्रतम मध्यम
के वास्ते निदानी होगी याकी के सब शुद्ध स्वर

ताल द्रुत चारताल

तार		
मध्य	सु ग ध प ध ङ सु प ग सु रि सु	ग
मन्द्र		
	त ना त नों	त न दे रे ना त द
	१ ३ २	३ २ २ १

तार		
मध्य	सु रि सु रि	रि सु सु ग रि
मन्द्र	नि	नि
	रे दा नि त दा . नी द र दी .	
	३ २ ३ २ २	

तार	सु सु सु सु	सु
मध्य	सु सु पु पु पु धु	धु नि
मन्द्र		

ना १ द्रे ३ द्रे २ तुं २ छे ३ . द २ र्द २ तौ २ त १ न ३ नि ३

तार	रि सु	सु सु
मध्य	नि धु पु सु सु पु पु	नि
मन्द्र		

त २ दा २ रे ३ दा ३ नी २ द २ र्द २ र्द २ तौ १ त ३ न ३

तार		
मध्य	धु पु सु पु सु गु सु रि	गु सु रि
मन्द्र		नि

न २ न ३ म ३ न २ नि २ ता २ . रे २ ता १ रे ३ दा २

तार		
मध्य	रि सु	सु गुरि
मन्द्र	नि	

. नी द र र्ज .
३ २ २

राग भीमपलासी.

इस राग में आरोह में ऋषभ और धैवत वर्ज. गंधार और निषाद
अतिकोमल, यानी के सब शुद्ध स्वर.

तानताल.

तार		
मध्य	सु सु गुरि सु सु	गु सु पु नि
मन्द्र	नि नि	

सा डे ना ल या . म नी या . . .
३ २ १

तार	सु रि सु	
मध्य	पु नि	नि पु मु गु १ गु गु
मन्द्र		
	३	२ १

तार		
मध्य	सु पु नि धु पु मु गु गु	सु सु गु
मन्द्र		नि नि
	२	३ २

तार		
मध्य	गु सु सु	पु पु पु पु पु पु मु गु सु पु
मन्द्र		
	१	२ ३

तार	सु सु . ५	
मध्य	नि नि नि	नि नि नि नि
मन्द्र		

न दि लां दी
२

ह स ह स
१

तार	सु रि सु	
मध्य	नि नि	नि पु म गु ५ गु गु
मन्द्र		

मु ख य त ला . ध नि या स ज
२ ३ २ १

तार		
मध्य	म पु नि ध पु म गु गु	
मन्द्र		

न म न र म या . .
२

(७१)

राग भीमपलासी.
ताल चारताल (ध्रुपद)

तार		
मध्य	प नि . पु प मु गु . पु मु .	प . प . १
मन्द्र		
	य . . ल पो . . .	नं द १ ३ २

तार		
मध्य	म प . १ ध्रु प . ध्रु प . म मु . ५	प
मन्द्र		
	कु प र . वा . ल	प ३ २ १

तार		
मध्य	नि ध प . १ पु ध्रु मु . पु गु . मु गु . पु	
मन्द्र		
	न मे . मे रो . . म . न	३

तार		
मध्य	मृ . पु . ५	प ग रि मृ ग रि स . १ प
मन्द्र		

ह र . . ली . नो ये
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	नि . पु प मु ग . पु मु .	पु प मु ग .
मन्द्र		

. . स खी . . . जी ये हो .
२ २ १ ३

तार	सु	सु	स सु . ५
मध्य	म म प	नि . नि	नि .
मन्द्र			

. फ ला . . स मे . . रो
२ ३ २ २

तार	सु ११	स म गुरि स स
मध्य	नि	नि ध पु . ५
मन्द्र		

नै न म . सो नी . . र जा य
 १ ३ २ ३ २ २

तार		सु	स
मध्य	पु . सु ग . म . ५	ग म प	नि . नि
मन्द्र			

मे रे . .
 १ ३ २

नी या फो दू .
 ३ २ २

तार	रि . ५	रि स	;
मध्य			नि ध पु . १ प
मन्द्र			

स दू
 १

की नो ये
 २ ३

तार		
मध्य	नि . पु प मु गु . पु मु .	पु प मु गु .
मन्द्र		

स खी सा घ रो
२ २ १ ३

तार		
मध्य	म म पु प धु मु . प पु . ५	पु म प
मन्द्र		

स लो न का न या ट रो
२ ३ २ २ १ ३

तार	सु सु रि सु सु	
मध्य	नि . नि नि	नि धु पु . ५
मन्द्र		

क ठा डो . भ यो .
२ ३ २ २

तार	
मध्य	प ग ग म प मु ग . १ म ग रि सु . ५
मन्द्र	

मो हे तो धु ला . ये गा . ये
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स मु ग . म प . १ प प धु म . प
मन्द्र	नि

अ ध र . न को र स ली .
१ ३ २ ३ २ २

तार		सु
मध्य	पु . ५	प प मु ग . म म प नि .
मन्द्र		

नो मे न मा . धु ला .
१ ३ २ ३

तार	सु सु . ५	स . १	स
मध्य	नि नि	नि	नि
मन्द्र			

ये औ र सु ख सो
२ २ १ ३ २

तार	म गु रि सु सु	
मध्य	नि ध पु . ५	प प मु
मन्द्र		

बु ला ये गा . ये वा छु री
३ २ २ १ ३

तार	सु	सु रि . ५
मध्य	गु . म म प	नि . नि नि
मन्द्र		

ब जा ये क छ
२ ३ २ २

तार	रि स रि सु					
मध्य	नि ध प . १ प नि . पु प					
मन्द्र						
जा	दू	फी	नो	ये		स
१	३	२	३	२		

तार		
मध्य	सु ग . पु म .	
मन्द्र		
ली		
२		

राग सुलतानी.

इस राग में रूपम और धैवत अधिकोत्तम, गधार कोमल, मध्यम तीव्रतम, निषाद तीव्र, आरोह में रूपम और धैवत वर्ज्य
आलाप

तार	सु
मध्य	सु ग म प नि नि धु प म ग रि सु
मन्द्र	नि

तीनताल.

तार		
मध्य	म ग म ग रि सु रि	स म ग १
मन्द्र	नि	

वा ज त व धा इ व र सा ने .
 ३ २ १ २

तार	सु
मध्य	ग म प प नि नि नि धु धु म प
मन्द्र	

मं . सु न क र आ इ
 ३ २

तार		
मध्य	म ण ध धु मु मु ग म ण ण	प ण प प
मन्द्र		

अ प ने फा

न आ ज न र ना री

१

२

३

४

तार		स स १ सु गु
मध्य	धु मु पु ग म	प नि नि
मन्द्र		

. न . मिल

म ग ल

गा धो

स द

१

२

३

तार	गु रि सु	
मध्य	नि ध ण	म ण ध धु मु मु ग
मन्द्र		

न न न न न न

द र स ध्या . . .

२

१

२

तार			
मध्य	मृ पृ पृ	पृ पृ धु मृ पृ मृ गृ मृ	१ पृ
मन्द्र			

न आ ज आ फे ता . . फे ग त ओ
३ २ १

तार		सृ सृ सृ
मध्य	पृ धु मृ पृ मृ गृ मृ पृ	नि नि
मन्द्र		

फे तो . फे ग त ला . ग वा ट सो
२ ३ २

तार	सृ	सृ	सृ
मध्य	नि	नि	नि धु मृ पृ मृ
मन्द्र			

सु र
१ २

ही रे . . ता
२ ३

तार		
मध्य	गु रि	सु. ५
मन्द्र	नि	
	नो २	धा धा कि ड रि ड धुं १ २

तार		सु सु रि
मध्य	सु सु गु गु सु सु णु नि नि	नि
मन्द्र		
	कि ड कि ड रि ड प र न	सु र न धा ३ २

तार	सु	
मध्य		नि णु णु धु सु सु गु नु णु णु
मन्द्र		
	जे नो य द फा . .	न आ ज १ २

राग पिलु संकीर्ण.



इस में दो ऋषभ, दो गंधार एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल,
धैवत अतिकोमल अतिकोमल ऋषभ और शुद्ध गंधार के वास्ते
निशानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार	सु गुरि	सु. १
मध्य	१ पु नि नि नि	धु
मन्द्र		

फा ना ने . . पे सी रे .
३ २ १ २

तार	सु गुरि गुरि गुरि	गु सु
मध्य	नि नि धु पु I.	
मन्द्र		

. . . या . पे सी तो ष जा .
३ २ १

तार	रि गु रि	सु १	सु ५ रि ५ रि
मध्य		नि	नि नि
मन्द्र			

. . . इ . सु ध वि सु रा
२ ३ २

तार	सु	सु	१ सु ५ गु सु
मध्य	नि	ध	नि धु पु
मन्द्र			

. . इ . . या . या ज त
१ २ ३

तार	पु पु पु	१ सु ५ गु ५ गु सु ५ गु सु पु
मध्य		
मन्द्र		

रा म री भ रि दि या . . .
२ १ २

तार	गु रि सु . १ गु गु गु गु मु रि गु रि सु
मध्य	नि
मन्द्र	

. नी . सु च त ना ही .
३ २

तार	सु ५ रि रि सु सु
मध्य	नि धु धु पु . ५
मन्द्र	

फ छु फा . . ज या .
१ २

राग काफी संपूर्ण.

इस राग में गंधार अतिव्योमल, निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा अतिव्योमल, शुद्ध निषाद के वास्ते निशानी होगी.
बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

तीनताल.

तार	स
मध्य	म पु नि ध नि पु ५ म ग रि सु रि
मन्द्र	

१ २ ३ ४

तार	
मध्य	रि रि गु रि गु म गु रि सु रि सु
मन्द्र	५ नि

१ २ ३ ४

तार	।
मध्य	सु रि गु म पु गु म पु ध म पु ध नि
मन्द्र	

१ २ ३

तार	सु	सु रि	सु रि
मध्य	पु धु नि	धु नि	नि
मन्द्र			

२

१

२

तार	गु रि सु	सु
मध्य	नि धु नि पु	सु सु पु धु
मन्द्र		

३

२

१

२

तार	सु	सु रि गु सु गु	रि सु पु
मध्य	नि	धु नि	
मन्द्र			

३

२

१

तार	मृ गृ रि मृ गृ रि सु
मध्य	नि धु नि प धु. ५
मन्द्र	

२

३

२

राग गौडमल्लार.
इस राग में सय शुद्ध स्वर लगते हैं.
तीनताल.

तार		
मध्य	गृ मृ रि मृ गृ रि सु	रि गृ मृ पृ मृ गृ
मन्द्र		

धा . इ व द रि या सा . य न फी .
३ २ १ २

तार		सु
मध्य	रि पृ पृ पृ मृ पृ	धु नि धु पृ मृ गृ
मन्द्र		

सा य न फी म न भा . . य न फी .

तार		सु	
मध्य	सु पु	धु नि	धु पु सु गु सु पु
मन्द्र			

घ र आ . . च न की . झु की

१ २

राग मालव, पाडव.

इस राग म ऋषभ, धैवत कामल, मध्यम तीव्रतम पचम वर्ज वादी के सब छन्द स्वर लगते हैं (तीनताल)

तार	
मध्य	धु सु धु गु सु धु सु गु रि रि
मन्द्र	नि नि धु
	१ २ ३ २

तार	
मध्य	सु रि गु रि गु सु धु गु नि
मन्द्र	सु धु नि नि
	३ ३

तार	रि०	
मध्य	ध० नि० म०	ध० नि० म० नि० ध० म० गु० म० गु०
मन्द्र		

२

१

२

३

तार		स० रि०
मध्य	रि० गु० म० गु० रि० रि०	गु० म० ध० नि० नि०
मन्द्र	नि०	

२

१

२

३

तार	गु० म० गु० रि० गु०	रि० रि० रि०
मध्य	नि० नि० ध०	नि० ध० म० गु० रि० . १
मन्द्र		

२

१

२

३

२

तार	रि
मध्य	रि ग म ध नि ध म ग रि ग म ०
मन्द्र	ध नि
	१ २ ३ ४

तार	म ग रि ग म ग रि
मध्य	नि ध म ग रि रि ५
मन्द्र	नि
	१ २ ३ ४

राग पृथी.

इस में कृपम और धैवत अनिचोमल, मध्यम दो एक शुद्ध और दूसरा तीव्रतर, शुद्ध मध्यम के वास्ते निगाना होगा. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगने ह तीनताल.

तार	
मध्य	ग ग म म ग रि ग म प ध प म ग
मन्द्र	

ह री य . म . का . म य सु य दी
३ २ १ २

तार		
मध्य	ॐ मृ गृ . ५ मृ गृ रि सृ सृ सृ	रि गृ
मन्द्र		नि

ना ३ दू ध पू त ओ र २ अ न ध १

तार		रि
मध्य	रि सृ सृ सृ रि गृ मृ धृ	नि
मन्द्र	नि नि	

न ल छु मी कि र पा यो गो . २ ३ २ बी द १

तार	सु	
मध्य	नि धृ पु म पु धृ पु गृ गृ गृ गृ मृ	
मन्द्र		

. र ग दी ना २ . अ ग म अ पा ३ २

तार		सु सु सु सु सु सु रि गु गु रि सु
मध्य	धु धु	
मन्द्र		

र न ज ग नी स्तार न कृ पा कर न डु
१ २ ३ ४

तार		रि
मध्य	नि	नि धु नि धु मु मु गु गु गु गु मु
मन्द्र		

ग ह र न सु ग म द न स य पा त
१ २ ३ ४

तार	सु	रि सु
मध्य	धु नि	नि नि धु पु पु धु मु पु
मन्द्र		

न मो . ला य य धी . ना . . .
१ २

राग श्रीराग.

इस राग में ऋषभ और धैवत अतिकोमल, मध्यम तीव्रतम, निषाद तीव्र, बाका के सब शुद्ध स्वर

ताल (अभिनदा) सुरफाक्ता.

तार	सु	
मध्य	नि नि ध स प ध प	म ध म ग रि रि रि
मन्द्र		

गौ री अ र धं . . ग ना . च त लों . .
१ ३ २ २ ३ १ ३ २ २

तार		
मध्य	रि रि स प प प रि रि रि रि रि स	म ध नि
मन्द्र		

मी . त शं क र श्री पु र दा . र श्री शु
३ १ ३ २ २ ३ १ ३

तार	स रि रि स	स स	रि ग रि स
मध्य	नि		नि
मन्द्र			

ल उ म रु ना . ग व्या प्रां . व र
२ २ ३ १ ३ २

तार	स	
मध्य	नि नि ध	प प प प म प ध ध ध प
मन्द्र		

ओ . व र ग ज ख र मा . . . स्वर
२ ३ १ ३ २ २ ३

तार		
मध्य	प प म ध म ग रि रि स स	
मन्द्र		

प री धा . . . न क र
१ ३ २ २ ३

(१०४)

राग शंकरा कल्याण.

इस राग में मध्यम तीव्रतर, बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल शुमरा मात्रा १४.

तार	सु	रि सु
मध्य	नि धु. नि धु नि	नि धु नि. ५
मन्द्र		

आ द मा . हा

२

तार	सु
मध्य	धु सु पु . १ पु नि धु नि धु सु पु . गु
मन्द्र	

दे य री . . न

१

२

३

(१०५)

तार		
मध्य	गु गु रि प गु . ५ पु गु पु ५ . ५	ग रि
मन्द्र		
	य जा . . ई पा . ई	न्या .
	२	१

तार		
मध्य	सु सु ५ . ५ रि गु रि	सु सु . ५
मन्द्र		नि नि
	म त	का . . . न पी
	२	३

तार		
मध्य	रि स . १ सु सु गु गु	पु पु
मन्द्र	धु . नि	
	या . .	न दा र ग क र
	२	१

तार	सृ रिसृ सृ I ५		
मध्य	नि धु . नि	नि धु	नि
मन्द्र			

क . र म दी खा ई . . .

तार		२	३
		स	रिसृ
मध्य	पु . ५	नि धु .	नि धु नि
मन्द्र			

. आ द
२

तार		
मध्य	नि धु नि . ५	धु मु पु . गु . ५ ७ प
मन्द्र		

मा . हा

दे . .
१

घ

स
२

तार	स स स स स रि सु सु . ५ सु
मध्य	नि धु .
मन्द्र	

प्ल . . सू र न की . सु र सु
३ २

तार	सु गु गु गु गु पु गु . पु पु गु . पु गु रि
मध्य	
मन्द्र	

र . की म प्ल ता . . न म न
१ २ ३

तार	स स सु . ५ सु सु . सु सु रि
मध्य	नि धु
मन्द्र	

रे ग म . उ म . प्ल म प ट
२ १

तार	गुरिसुरि सु ५
मध्य	नि नि नि धु मु पु ५
मन्द्र	

ता . न ले
२

तार	सु . १
मध्य	१ पु धु पु . ग ग प प नि धु .
मन्द्र	

स व गु णी य न को
३ २

तार	सुरि सु सु १५
मध्य	नि धु नि पु . ५
मन्द्र	

स म शा ई
२ ३

संगीत शिक्षणका क्रामक पुस्तक.

इस विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीने संगीत विधापर
आज तक जो किताब तयार कि हैं उनके नाम और निमत.

	भागा	रु	आ	
महिला संगीत हिंदी.	१	०	२	०
महिला संगीत हिंदी.	२	०	४	०
संगीत सारदर्शक.	१	०	८	०
अंकित अलंकार.	१	०	८	०
संगीत बाल प्रस्ताव हिंदी और उर्दू.	१३	२	४	०
स्वरपालाप गायन.	१४	५	०	०
संगीत वाद्यबोध हिंदी और उर्दू.	१	१	८	०
" " द्वितीय भाग.	२	१	०	०
राग प्रवेश	११४	१२	८	०
व्यायामके साथ संगीत	१२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी		२	०	०
" द्वितीय.		३	०	०
राग भरव		२	०	०
राग मालकंस		२	०	०
राग भूपाली		२	०	०
मृदंग और तबलेकी पुस्तक.		१	०	०
सतारकी पुस्तक.	१२	३	८	०
नारदीय शिक्षा भाषा टीका समेत.		१	०	०
भजनामृत संहरी.	१५	२	८	०
राम नामावली.		०	२	०

इसके मित्राथ धीयुत सुस्थानकर कृत पद्यावलिया मिलेगी

मैनेजर

गार्थ महा विद्यालय.

प्रस्तावनिका.



“राग प्रमथ” यह पुस्तक बनानेका मुख्य उद्देश यह है कि
 निम्नो थोड़ा बहोत स्वरका आर तारका ज्ञान हुआ हो उनके
 लिए किसी रागके गीतपर किसम किसमके तान आलाप तथा
 बोलतान लेनेमें सुगमता होवे इस लिए इस पुस्तकको प्रकाशित
 करना शुरु किया है. यह पुस्तक अनेक भागोंमें पूर्ण होगा. उन
 भागोंकी संख्या अभी निश्चित नहीं कर सके हैं इसके सब भाग
 यदि कठ हो जावे तो लगभग प्रचारके राग रागिणियोंका आलाप
 तान सहीत गाना सङ्ग होगा. इसके नामसेही प्रतीत होता है
 कि यह पुस्तक हर एक रागके विस्तारके क्रमका प्रकाशक है

इस प्रथम भागमें केवल जैनिनी कल्याण रागमें एक गीत
 तीन तालका प्रकाशित किया है और इसमें “छात्रित स्फुरित.
 आरोलित, त्रिभिज, गट्टदित ” इत्यादि गमक गिनी हैं. इस
 लिए निवेदन है कि जिस किसीको गाना बचाना क्षमतासे सम्भव
 करना हो, तो उसके लिए यह पुस्तक एक बहुत उपयोगी धनु
 होगी परंतु समझनेके लिए पहिले हमारे यद्दारे अफन रीति के
 (नोटेशन सिस्टमको) अच्छी रीतिसे समझना चाहिए

गिरगांव सँडहस्टरोड, मुंबई.



ह्या विद्यालयात गायनवादन (तबला, हार्मोनियम, दिल सतार वगैरे) शिक्कविण्याची सोय उत्तम प्रकारची केली : शिक्कविण्याच्या वेळां दररोज सकाळीं (स्टॅं टा) ७ ते ८ आणि सायंकाळीं ६ ते रात्री १० पर्यंत याप्रमाणे ठेविल्या ३

य । शिक्कविण्या कुलीन स्त्रिया व मुलींसाठीं सकाळीं ७ ते ८ व दुपारी ३ ते सांध्यकाळीं ६ पर्यंत वेळ ठेविली असून : शिक्कविण्यास स्वास लेही टॉचर ठेविली आहे.

गायन वादनाचे जलसे ---प्रत्येक शनिवारी रात्री वाजता व रविवारी सकाळीं ९॥ वाजना (स्टॅ. टा.) होत असत

पुस्तकें-आमचें विद्यालयात गायन व वादनाची पुस्तकें वि मिळतात.

वाद्ये---आमचे कारखान्यात सर्व प्रकारचीं वाद्ये नवीन त होतात व जुनी वाद्ये दुरुस्त केलीं जातात.

मॅनेजर - गां. म. विद्यालय-मुंबई.

राग जैमिनी कल्याण.



रामें केवल दो मध्यम लगते हैं एक शुद्ध दूसरा तीव्रतर, शुद्ध मध्यमके चाम्ते निशानी होगी.

आलाप.

तार	सु
मध्य	रिं गू मू धु नि नि निं भु मु पु ५ रिं
मन्द्र	निं

ता . न न न त त र न री . . द

तार		
मध्य	सु १ रि. ५	
मन्द्र	धु नि	

ना त म त .

तार		
मध्य	गु . गु गु गु रि सु	रि गु रि
मन्द्र	पु . ५	त्रि
र	औ	र गु नी . गु नी . . जा
	१	२ ३

तार		
मध्य	रि सु रि गु रि . ५	गु मु पु रि गु रि
मन्द्र	नि	
. ने	गु न की सा . र
	२	१ २

तार		
मध्य	सु रि गु पु रि गु रि सु . ५	गु गु पु
मन्द्र	त्रि	
अ न गु न न की . जी ये		घ ङी ये
३	२	१ २

तार		
मध्य	गु गु गु रि	
मन्द्र		

बा र बा र
१ २

तार		
मध्य	सु रि गु प रि गु रि म् ५	गु र
मन्द्र	नि	

अ व गु न न की . जी ये गु न
३ २ १

तार		
मध्य	रि गु रि ५ सु रि गु प रि गु रि	
मन्द्र	नि	

स . न अ व गु न न की . जी
३ ३ २

तार		
मध्य	सू. ५	सुरिगुपूरिगुरि. ५ सुरि
मन्द्र		नि

ये गु नी . . स . न अ व गु
 १ २ ३

तार	.	.
मध्य	गुपूरिगुरिसू. ५	निधुसुपूरिगु
मन्द्र		

न न की . जी ये गु नी . . स
 २ १ २*

तार	
ध्रुव	रि. ५ सुरिगुपूरिगुरिसू. ५
मन्द्र	नि

न अ व गु न न की . जी ये
 ३ ३

तार	सु सुसुसुसुसुसु
मध्य	गु गु प पु ध्र
मन्द्र	

व डी बे र स म शे न ही स म श स
१ २ ३ २

तार	सु सुसुसुसु	
मध्य	गु गु प पु ध्र	गु गु प
मन्द्र		

व डी बे र स म शे न ही व डी बे
१ २ ३ २ १ २

तार	सु सुसुसु	सु सु
मध्य	पु ध्र	नि गु गु प पु ध्र
मन्द्र		

स म शे न ही व डी बे र स म शे

तार		
मध्य	सू.५	सुरिगुपूरिगुरि.५ सुरि
मन्द्र		नि

ये गु नी . . स . न अ ब गु
 १ २ ३

तार		
मध्य	गुपूरिगुरिसू.५	निधुसुपूरिगु
मन्द्र		

न न की . जी ये गु नी . . स .
 २ १ २*

तार	
मध्य	रि.५ सुरिगुपूरिगुरिसू.५
मन्द्र	नि

न अ ब गु न न की . जी ये
 ३ ३

तार	सु सुसुसुसुसुसु
मध्य	गु गु प पु धू
मन्द्र	

य टी वे र स म ज्ञे न ही स म क्ष व
१ २ ३ २

तार	सु सुसुसुसु	
मध्य	गु गु प पु धू	गु गु प
मन्द्र		

य टी वे र स म ज्ञे न ही य टी वे
१ २ ३ २ १ २

तार	सु सुसुसु	सु सु
मध्य	पु धू	नि गु गु प पु धू
मन्द्र		

२ स म ज्ञे न ही य टी वे र स म ज्ञे



तार	सु सु	सु रि गु रि	सु ५
मध्य	धु नि	नि	सु
मन्द्र			नि

न ही २ अ व

तार		
मध्य	रि गु प्र रि गु रि सु ५	रि
मन्द्र		धु नि नि

गु न न की . जि दे
३ २ १

तार	
मध्य	सु ५ सु रि गु प्र रि गु रि सु ५
मन्द्र	नि

२ अ व गु न न की . नि दे
२ २ २

तार	
मध्य	रिगुमुध्रिगुदि .५ स्त्रिगुपु
मन्द्र	नि नि
	आ अ ष गु न न १ २ ३

तार		
मध्य	रिगु १ रिगुमुध्रि.धमुपु रि.५	
मन्द्र	नि	
	की . आ २ १ २	

तार	
मध्य	स्त्रिगुपु १ रिगुमुधुनि नि
मन्द्र	नि नि
	अ ष गु न न ग १ २

तार		स
मध्य	धु नि	नि ध स प रि . ४ स रि गु
मन्द्र		नि

अ व गु न
१ २ ३

तार		रि रि
मध्य	प रि गु १ रि गु सु	ध नि
मन्द्र	नि	

न की आ
२ १

तार	
मध्य	नि नि धु सु प रि . ४ स रि गु प १
मन्द्र	नि

अ व गु न न

तार	रि ग, ५ रि
मध्य	रि गु मु धु नि
मन्द्र	नि

आ
२ १

तार	
मध्य	सु प. रि. ५ सु रि गु मु धु नि
मन्द्र	नि नि

.
२ ३

तार	सु रि गु मु प. रि रि
मध्य	नि नि. धु सु प.
मन्द्र	

.
२ १

तार

मृ रि सु ५

मध्य

मृ धृ नि नि धृ मृ धृ नि धृ नि

मन्द

न न की जी ये गु नी स न का . जा ने
२ ३ २

तार

गृ रि सु रि सु

मध्य

धृ नि न् नि धृ नि धृ मृ धृ

मन्द

गु न ी सा . र औ र गु नी . गु नी .
१ २ ३ २

तार

मध्य

पृ पु रि गृ पृ रि गृ रि ५ सु रि गृ पु

मन्द

नि

जा ने गु न की सा . र अ य गु न न
१ २ ३

तार	सू०	स सु ४
अक्ष	ट्रि धु०	निं पु पु धु नि
मन्त्र		

. . . जी . ये गु नी .
१ २

तार	सू सु० ४ गु०	रि सु०
अक्ष	नि धु नि	नि धु० ४
मन्त्र		

स न फा . . जा . ने . .
३ २

तार	रि गु रि सु १ सु० ४ रि सु
अक्ष	नि नि नि नि
मन्त्र	

गु न की सा . . र जी . . र
१ २

तार	सु १ सु ४	सु रि
मध्य	पु धु नि	पु पु ध, नि
मन्द्र		
	जा . . . ने	गु . न . . .
	२	३

तार	सु गु रि सु	रि	
मध्य	धु नु नि	नि ध, नि धु	
मन्द्र			
	की सा . र और गु नी .	गु नी . जा	
	२	१	

तार	
मध्य	पु १ गु ८ रि गु रि सु रि गु पु रि गु ९
मन्द्र	नि

ने गु न की सा . र अब गु न न की .
 २ ३ २

तार	सु१	स सु ४
मध्य	नि धु •	नि • पु पु धु नि
मन्द्र		

• • • जी • ये गु नी •
१ २

तार	सू सु • ४ सु •	रि सु •
मध्य	नि धु नि	नि धु • ४
मन्द्र		

स न का • • जा • ने • •
३ २

तार	रि ग रि सु १ सु • ४ रि सु
मध्य	नि नि नि नि
मन्द्र	

गु न कौ सा • • र औ • • र
१ २

तार	
मध्य	नि धु सु पु रि मू० ४ रि गु मु नि
मन्द्र	नि
गु नी . . गु नी जा ने गु न की ३ २ १	

तार	सु रि गु रि सु
मध्य	नि ध प ध नि नि ध प
मन्द्र	
. सा . . . ७	

तार	
मध्य	मू गु रि सु ङ सु रि गु प रि गु रि
मन्द्र	नि
. . . र ष व गु न न की . जि ३	

तार		
मध्य	स्. ५	✱ रिगुमुपु. मुगु१म्
मन्द्र		: नि

ये अ व गु न न . . . की
 १२३ २

तार	
मध्य	पु. मुगु१मधुपु. मुगु१मधु नि
मन्द्र	

. . . . जी . ये गु नी .
 १ २ ३

तार		
मध्य	धुमुपु५मुगु१. ५	मुधु निधु५
मन्द्र		

स . . . न का
 २ १

तार	सु १ सु ४	सु रि
-----	-----------	-------

मध्य	पु धु नि	पु पु धु नि
------	----------	-------------

मन्द्र		
--------	--	--

जा . . . ने गु . न . . .
२ ३

तार	सु गु रि सु	रि	
-----	-------------	----	--

मध्य	धु . नु नि	नि धु नि धु
------	------------	-------------

मन्द्र		
--------	--	--

की सा . र और गु नी . गु नी . जा
२ १

तार	
-----	--

मध्य	पु १ गु ८ रि गु रि सु रि गु पु रि गु ९
------	--

मन्द्र	नि
--------	----

ने गु न की सा . र ख व गु न न की .
२ ३ २

तार		
मध्य	रि गु रि	गु मु गु मु पु मु पु धु पु धु
मन्द्र	नि	

आ
१ २

तार	सु सु रि सु रि गु गु
मध्य	नि धु नि नि
मन्द्र	

.
३

तार	रि सु रि सु सु	
मध्य	नि नि धु नि धु पु धु पु	
मन्द्र		

तार		
मध्य	सु पु सु गु म गु रि ग रि सु . ५	सु
मन्द्र		ति

. २

अ व

तार		गु रि सु
मध्य	रि ग् प रि ग् रि सु . ४	ति
मन्द्र		

गु न न की . ली ये अ व गु न न

३ १

तार	रि सु . ५	सु
मध्य	धु नि पु ध रि धु नि धु पु	
मन्द्र	-	

की . ली ये सु नी स न का . जा ने

२ ३

ता०

मध्य

गु म धु मु प सु गु सु गु रि ग रि सु रि

मन्द्र

गु न की सा . र औ . र गु नी गु नी .
२

तार

सु रि ग रि सु

मध्य

मु ङ रि ग म धु नि

मन्द्र

नि नि

जा ने गु न की सा
१ २

तार

मध्य

नि ध प रू ग रि सु सु रि ग प रि ग रि

न्द्र

नि

. र अ व गु न न की . जी
३ २

तार		सु सु सु सु
मध्य	सु० ५	गु गु पु पु धु धु नि
मन्द्र		

ये व डी बे र स म शे न ही . .
 १ २ ३ २

तार	सु रि गु रि गु रि	सु रि सु
मध्य		नि धु पु सु
मन्द्र		

.

१

तार	
मध्य	पु धु मु पु सु गु मु पु धु नि० ५ नि० ५
मन्द्र	

.

२

३

तार	सु०५	सू स॒ सू
मध्य	नि०५	गु ग॒ प॒ पु ध्र
मन्त्र		

ब डी वे र स म क्ष न
२ १ २ ३

तार	सु सु रि सु सु	स रि गु रि सु रि
मध्य		धु नि
मन्त्र		

ही स म क्ष त
२ १ २

तार	सु	
मध्य	नि धु पु सु प धु मु ५ पु०५ धु०५	
मन्त्र		

तार		
मध्य	धु नि धु पु पु . सु गु रि गु	५ रि सु
मन्द्र		नि

को . न क हे . ए क वे र क हे
२ १

तार		
मध्य	रि सु . ५	स, सु रि गु रि गु
मन्द्र	धु नि धु	नि

दी नी को . न क हे यह बा र या
२ ३

तार		
मध्य	रि सु रि गु पु रि गु रि सु . ५	रि
मन्द्र	नि	नि

र अ न गु न न की जि ये वा .
२ १

तार	रु रि गु सु गु रि स	
मध्य	गु सु धु नि	नि धु
मन्द्र		

२

तार		
मध्य	पु सु गु रि रु ऋ	रु रि गु पु णि ग रि
मन्द्र	नि	

३ अ व गु न म की . जी

२

तार		रु रि गु पु
मध्य	सु . ऋ	रि गु सु धु नि
मन्द्र		नि

ये

जा

१

२

ता०	सू५	सू	सू५
मध्य	नि०५	ग०५	धु
मन्द्र			

२ ही बे र स म शे न
१ २ ३

तार	सू गुरि सु रु	म५
मध्य	नि	धु नि पु धु
मन्द्र		

ही

२

१

तार	गुरि सु रि सु	सु
मध्य	सु०	नि धु नि प धु सु प
मन्द्र		

तार	सु रि० ५	सु
नय	गु सु पु धु नि	गु गु प पु
मद्र		

ब डी ये र स
१ २

२

तार	सु सु सु सु रि सु सु	सु
मय	धु	गु ० ० प
मद्र		

म शे न ही स म ज त ब डी ये र स
३ २ १

तार	सु रु सु रु रि सु सु	सु सु
मय	धु	धु नि धु
मद्र		

म शे न ही स म ज त वा . र ये र
२ ३

११२ सु गु रि सु

मध्य नि धु प सु गु सु पु ध नि

मन्द्र

३

तार सु रि गु रि सु

मध्य नि धु पु सु गु सु पु धु नि

मन्द्र

२

१

तार सु

मध्य नि धु पु सु गु रि सु • ५ सु रि गु

मन्द्र

नि

अ व गु न

२

३

तार		
मध्य	पु रि ग् रि सु . ५	
मन्द्र		

न की . जी ये
२





Single Hand Harmonium from	Rs.	30 to 75
Double-reed Hand Harmonium	...	60 to 250
Folding Harmonium	100 to 500
Satar	15 to 75
Tambura	25 to 150
Tambura box	12 to 35
Dilruba	20 to 75
Tabla pair	12 to 50
Mridang	15 to 40
Flute	1-4 to 15
Jal-tarang	8 to 12

Manager.

G.M.Vidyalaya. Workshop.

